दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 05
अंकः- 195
मुरादाबाद
(Friday)
07 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी बोले-अपराधियों को जब भी सत्ता का स्वाद चखाओगे तो...कीमत चुकाओगे

सीएम योगी ने बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार में ताबड़तोड़ रैली की। गुरुवार को पूर्व उप मुख्यमंत्री व बेतिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रेणु देवी के लिए कमल खिलाने की अपील की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, आज बिहार में विकास की सारी योजनाएं हैं। बिहार बदलकर समृद्धि की तरफ बढ़ा है। राजद काल में 1990 से 2005 के मध्य 60 से अधिक जातीय नरसंहार व अपहरण की 30 हजार घटनाएं हुईं। उस समय इंजीनियर, डॉक्टर, बच्चे, व्यापारी के साथ ही सड़क, पुल का भी अपहरण हो जाता था। पेशेवर माफिया व अपराधी इनके शागिर्द बनते थे। यूपी में माफिया को अब बुलडोजर से रौंद दिया गया है। सीएम ने मतदाताओं को चेताया कि माफिया व अपराधियों को सत्ता का स्वाद नहीं चखने देना चाहिए। जब भी इन्हें सत्ता का स्वाद चखाओ तो कीमत चुकाओगे। दंगाइयों को सत्ता का स्वाद चखने नहीं देना है। रूझान बता रहे कि 14 नवंबर को फिर एनडीए का नारा होगा बुलंद

सीएम योगी की बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार में ताबड़तोड़ रैली निरंतर जारी है। गुरुवार को दूसरी रैली में उन्होंने पूर्व उप मुख्यमंत्री व बेतिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रेणु देवी के लिए कमल खिलाने की अपील की। यहां जनसभा में योगी आदित्यनाथ ने केंद्र सरकार की योजनाओं को गिनाया तो कांग्रेस व राजद गठबंधन पर करारा प्रहार किया। सीएम ने विपक्षी प्रत्याशियों की जमानत जब्त कराने की अपील की। कहा कि आज पहले चरण की 121 विधानसभा सीटों पर वोटिंग हो रही है। नौजवान, किसान, श्रमिक, माताएं, बहनें, युवा सभी एनडीए को वोट दे रहे हैं। रुझान बता रहा कि 14 नवंबर को परिणाम आने पर एनडीए सरकार का नारा फिर बुलंद होगा। यूपी में माफिया को बुलडोजर से रौंद दिया गया मुख्यमंत्री ने कहा, यूपी में इनके पार्टनर सपा व कांग्रेस माफिया को गले लगाकर चलती थी। जनता का शोषण करती थी। हमने कहा कि यह नहीं चलेगा। आज यूपी में नौजवान को नौकरी, रोजगार, शिक्षा, बहन-बेटियों को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन है। वहां युवा मस्त व माफिया पस्त है। यूपी में माफिया को बुलडोजर से रौंद दिया गया है। लखनऊ में डीजीपी आवास के सामने दुर्दांत माफिया ने गरीबों की जमीनों पर कब्जा करके हवेली बनाई थी। एक दिन मैंने कहा कि इसे कब्जे में ले लो। मैं बताऊंगा कि क्या करना है। फिर कब्जे में लेकर उस हवेली पर बुलडोजर चलवाया गया। वहां हमने गरीबों के लिए 72 आवास बनाकर उन्हें चाबी सौंपी। यही काम प्रयागराज में भी किया। माफिया व अपराधियों को सत्ता का स्वाद नहीं चखने देना चाहिए। जब भी इन्हें सत्ता का स्वाद चखाओ तो इसकी कीमत चुकाओगे। पीएम ने कांग्रेस व राजद की दलाली रोक दी योगी ने कहा, पीएम मोदी ने भारत को बदला है। जो काम कांग्रेस 65-70 वर्ष में नहीं कर पाई, मोदी जी ने 11 वर्ष में कर दिया। 46 करोड़ बैंक अकाउंट खोल दिए गए, जिससे गरीबों, महिलाओं व लाभार्थियों का पैसा सीधे अकाउंट में जाता है। पीएम ने कांग्रेस व राजद की दलाली को रोक दिया है, इसलिए यह लोग मोदी जी को गाली देते हैं। राजद के समय बिजली नहीं आती थी, जबकि अब तीन करोड़ लोगों के घर में बिजली कनेक्शन दिए गए। लालटेन की लाइट में मोबाइल-लैपटॉप नहीं चार्ज कर पाएंगे, क्योंकि बिजली तो एनडीए ही देगी। यह लोग लालटेन दिखाकर बंद कर देते थे, फिर रात में डकैती डालते थे। कांग्रेस, राजद व सपा वाले जाति के नाम पर बांटने का कार्य कर रहे हैं। सीएम ने मतदाताओं को आगाह किया कि बंटे थे तो कटे थे। बंटना नहीं है, एकजुट होकर कांग्रेस-राजद के माफियाराज व जंगलराज का मुंहतोड़ जवाब देना है। कांग्रेस ने किसानों को भूखमरी की ओर ढकेला तो राजद ने उनका शोषण किया सीएम ने बिहार की गौरवशाली धरा पर महापुरुषों का स्मरण किया। बोले कि मां जानकी ने इस धरा पर जन्म लेकर साक्षात लक्ष्मी का अवतार बनकर लोककल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। यूपी व बिहार सांझी विरासत के प्रतीक हैं। हमारा संबंध श्रीराम व मां सीता जैसा है। एक-दूसरे के साथ पवित्र संबंध के साथ जुड़े हैं। इसे कोई अलग नहीं कर सकता। शास्त्रीय संगीत की ध्रुपद शैली का जन्म बेतियाराज घराने में हुआ था। बिहार में जो संभावनाएं थीं, उसे पहले कांग्रेस, फिर राजद ने धूल-धूसरित किया। अंग्रेजों की विरासत के अनुसार कांग्रेस ने किसानों को भूखमरी की ओर ढकेला तो राजद ने उनका शोषण किया। इन लोगों ने समृद्ध बिहार बनने के सपनों को जंगलराज में बदलकर नौजवानों, नागरिकों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया, लेकिन 20 वर्ष पहले नौजवानों ने अंगड़ाई ली। नीतीश बाबू के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनी तो इसके साथ ही सुशासन की आधारशिला खड़ी की गई, जिस पर मजबूत इमारत का निर्माण करना है और विकसित बिहार की पीएम मोदी की संकल्पना को आगे बढ़ाना है। कांग्रेस व राजद नहीं सिखा सकती कृतज्ञता ज्ञापित करना सीएम योगी ने कहा, कांग्रेस ने उच्चतम न्यायालय में कहा कि श्रीराम हुए ही नहीं। कांग्रेस ने मां सीता और महर्षि वाल्मीकि को भी झुठलाने का बड़ा पाप किया। कांग्रेस आस्था व विरासत का अपमान करती है। राजद ने राम मंदिर के रथ को रोक दिया। यूपी में इनके पार्टनर सपा ने रामभक्तों पर गोली चलाकर अयोध्या को लहुलूहान कर दिया, लेकिन हमने जो कहा-वह करके दिखाया। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो गया। इससे पहले अयोध्या में बने अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नामकरण महर्षि वाल्मीकि के नाम पर हुआ। रसोई मां शबरी और रैनबसेरा निषादराज के नाम पर बना है। 25 नवंबर को पीएम मोदी अयोध्या आ रहे हैं। राम मंदिर में राम दरबार भी है। हनुमानगढ़ी में हनुमानजी महाराज विराजमान हैं। वहां सुग्रीव किला भी है। रामायण काल के पहले बलिदानी गिद्धराज जटायु भी राम मंदिर की तरफ देख रहे हैं। जिस गिलहरी ने सेतु निर्माण में योगदान दिया, उसकी भी मूर्ति लगाई गई है। यह कृतज्ञता ज्ञापित करने की संस्कृति है। कांग्रेस व राजद कृतज्ञता ज्ञापित करना नहीं सिखा सकती। एनडीए सरकार सीतामढ़ी में भी मां जानकी का मंदिर बना रही है। एनडीए का रथ बिना रुके, झुके, डिगे डबल स्पीड से बढ़ रहा है।

केंद्र में हमारी सरकार बनी तो बिहार को मिलेगा देश का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय, राहुल का वादा

राहुल गांधी ने कहा कि दुबई जैसी जगह को आपने अपने खून पसीने से बनाया है। मेरा आपसे सवाल है कि जब आप दुबई और बेंगलुरु जैसा शहर बना सकते हो तो ये बिहार में क्यों नहीं कर पाते हो।कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्णिया के कसबा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार की बदहाली के लिए एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने न सिर्फ राज्य की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए, बल्कि महाबंधन के लिए केंद्र और राज्य में निर्णायक जीत का आह्वान भी किया। सभा का सबसे भावुक क्षण तब आया जब कसबा विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन के प्रत्याशी मो. इरफान आलम मंच पर रो पड़े।राहुल गांधी ने तुरंत आगे बढ़कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा है कि जब मैं यहां आया, तो इरफान आलम रो रहे थे। आप रूरु के बेटे नहीं हैं, लेकिन आप एक डाकिया के बेटे भी हैं। हमें आपके संघर्ष पर गर्व है। यह चुनाव आपका नहीं, बल्कि बिहार के हर युवा और हर गरीब का चुनाव है। लोग आपको इस बार विधायक बना रहे हैं, आप बस इन्हें (जनता को) अपना पूरा समर्थन दें। गांधी ने इरफान आलम के माध्यम से आम लोगों के संघर्ष और सादगी को सम्मानित करने की कोशिश की, जिससे स्थानीय जनता में एक भावनात्मक जुड़ाव पैदा हो सके। राहुल गांधी ने बिहार की मूलभूत समस्याओं पर सीधा प्रहार करते हुए इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर बड़े सुधारों का वादा किया है। राहुल गांधी ने संबोधित करते हुए पूर्णिया सदर से महागठबंधन समर्पित कांग्रेस प्रत्याशी जितेंद्र कुमार और कसबा से इरफान आलम क पक्ष में अपना वोट मांगा।उन्होंने ऐतिहासिक घोषणा करते हुए कहा कि केंद्र इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही बिहार में देश का सबसे बड़ा और विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय खोला जाएगा, ताकि बिहार के युवाओं को शिक्षा के लिए पलायन न करना पड़े। उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं की दुर्दशा पर दुख व्यक्त किया। बिहार में आज लोग अस्पताल में जीने नहीं, बल्कि मरने जाते हैं, उन्होंने वोट चोरी का आरोप दोहराया है। दिल्ली में लगाए गए आरोपों को दोहराते हुए राहुल गांधी ने बीजेपी पर लोकतंत्र को खत्म करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मौजूदा सरकार संविधान पर आक्रमण कर रही है और वोट चोरी करके चुनाव जीतने की साजिश रच रही है।वोट चोरी का जिक्र- उन्होंने केंद्र और नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में 20 साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री है, लेकिन वे बिहार के युवाओं को मजदूर बनाया है। बिहार में उद्योग के लिए जमीन नहीं है, लेकिन अडाणी के लिए सरकार के पास जमीन है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि, हरियाणा का चुनाव वोट चोरी करके जीता गया। हरियाणा के वोटर लिस्ट में दो बूथ में एक महिला का चेहरा 200 बार दिखाया गया। वहीं, दूसरी महिला का 100 बार। हजारों लोग यूपी में वोट करते हैं। वहीं हरियाणा में वोटिंग करते हैं। ब्राजील की एक महिला हरियाणा की वोटर हैं, उसने वहां वोट दिया। महाराष्ट्र, हरियाणा और लोकसभा चुनाव में वोट चोरी करने के बाद बिहार में वोट चोरी किया जा रहा है। उन्होंने जनता से खासकर जनरेशन जेड से अपने भविष्य को बचाने के लिए आगे आने और संविधान की रक्षा के लिए इंडिया गठबंधन को वोट देने की अपील की। दुबई जैसी जगह को आपने अपने खून पसीने से बनाया- राहुल गांधी ने कहा, मैं बिहार के युवाओं से सवाल पूछना चाहता हूं। मैं देश के किसी भी प्रदेश में जाता हूं तो वहां मुझे बिहार के लोग दिखाई देते हैं। दुबई जैसी जगह को आपने अपने खून पसीने से बनाया है। मेरा आपसे सवाल है कि जब आप दुबई और बेंगलुरु जैसा शहर बना सकते हो तो ये बिहार में क्यों नहीं कर पाते हो। एक समय होता था जब नालंदा की यूनिवर्सिटी पूरी दुनिया में मशहूर थी। जापान, कोरिया, इंग्लैंड से लोग पढ़ाई करने आते थे। दुनिया की शिक्षा का सेंटर नालंदा था। आज बिहार की यूनिवर्सिटी के बार में दूसरे लोगों से पूछिए। कहते हैं यहां सिर्फ पेपर लीक होता है। जिनकी सेटिंग है उन्हें पेपर मिल जाता है। यहां परीक्षा के एक दिन पहले पेपर लीक हो जाता-बिहार के बाकी युवा देखते रह जाते हैं। बिहार का युवा सपना देखता है कि इंजीनियर बनूंगा, डॉक्टर बनूंगा। मां-पिता के पास जाता है और कहता है कि मुझे पढ़ाई करनी है। महीनों की मेहनत के बाद परीक्षा के एक दिन पहले पेपर लीक हो जाता है और बिहार का ईमानदार युवा देखता रह जाता है। राहुल ने कहा नीतीश कुमार कहते हैं कि 20 साल में बिहार को बदल दिया, लेकिन मैं पूछता हूं कि क्या बिहार में अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य मिल सकता है। बिहार के अस्पतालों में लोग जीने नहीं, मरने जाते हैं। दूसरी तरफ PM मोदी खड़े हैं। PM के हाथ में नीतीश का रिमोट है। नीतीश से जो करवाना है ।

संक्षिप्त समाचार

डीबीटी के जरिए सरकार ने चार लाख करोड़ रुपये की बचत की, एसबीआई के कार्यक्रम में बोलीं वित्त मंत्री

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वैश्विक मूल्य श्रृंखला विघटनकारी दौर से गुजर रही है। ऐसे में बुनियादी ढांचे के निर्माण पर सरकार का मुख्य ध्यान है। पिछले कुछ वर्षों में पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2014 से कारोबार को आसान बनाने के लिए अनगिनत क्रांतिकारी सुधार किए गए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय स्टेट बैंक के एक कार्यक्रम में यह बात कही है। इस दौरान वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा वैश्विक मूल्य श्रृंखला विघटनकारी दौर से गुजर रही है। ऐसे में बुनियादी ढांचे के निर्माण पर सरकार का मुख्य ध्यान है। पिछले कुछ वर्षों में पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एसबीआई के एक कार्यक्रम में कहा कि वैश्विक चुनौतियां प्रमुख होती जा रही हैं; वैश्विक संस्थाएं कमजोर पड़ रही हैं।वित्त मंत्री ने कहा, सरकार ने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की; पिछले दशक में 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया। डेटा की लागत 2014 में 300 रुपये प्रति जीबी से घटकर 10 रुपये प्रति जीबी हो गई है।देश को बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत- सीतारमण-वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कार्यक्रम के दौरान यह भी कहा कि देश को बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत है।

बढ़ती बेरोजगारी गंभीर चिंता का विषय, पर पीएम हमेशा चुनाव मोड में, कांग्रेस ने रिपोर्ट के जरिए किया वार

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि अक्तूबर 2025 में देश की बेरोजगारी दर बढ़कर 7.5 प्रतिशत हो गई, जो पिछले छह महीनों में सबसे ऊंचा स्तर है।कांग्रेस ने बिहार चुनाव का जिक्र कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। पार्टी के नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि देश में बढ़ती बेरोजगारी एक गंभीर चिंता का विषय बन गई है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समस्या को सुलझाने के बजाय हमेशा चुनावी मोड में रहते हैं और जनता का ध्यान भटकाने के लिए नई-नई भाषण कला गढ़ने में व्यस्त हैं। कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी रमेश ने कहा कि पिछले 11 साल के कुशासन ने समाज के हर वर्ग को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, 卐छात्र, युवा, किसान, मजदूर, कर्मचारी, दुकानदार, व्यापारी; कोई भी वर्ग इस सरकार से खुश नहीं है। महंगाई चरम पर है, रुपये की कीमत लगातार गिर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमीर-गरीब की खाई और चौड़ी होती जा रही है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों का जीवन कठिन बन गया है।रमेश ने कहा, इस परिप्रेक्ष्य में बढ़ती बेरोजगारी एक गंभीर चिंता का विषय बन गई है। उन्होंने सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि अक्तूबर 2025 में देश की बेरोजगारी दर बढ़कर 7.5 प्रतिशत हो गई, जो पिछले छह महीनों में सबसे ऊंचा स्तर है।रमेश ने रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा, निर्माण और आईटी-बैंकिंग सहित कई क्षेत्रों में लाखों लोगों ने नौकरियां गंवाई हैं। सिर्फ निर्माण क्षेत्र में ही 90 लाख से अधिक लोगों की नौकरियां चली गईं, जबकि वेतनभोगी नौकरियों में 25 लाख की कमी आई है। देश के युवाओं की कोई चिंता नहीं है। वे हमेशा चुनावी मोड में रहते हैं और बेरोजगारी की समस्या सुलझाने के बजाय जनता का ध्यान भटकाने के लिए नई-नई बातें करने में लगे रहते हैं। बता दें कि कांग्रेस लगातार सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना करती रही है, उसका कहना है कि बढ़ती कीमतें, निजी निवेश में गिरावट और ठहरी हुई मजदूरी आम लोगों को बुरी तरह प्रभावित कर रही हैं।

संपादकीय Editorial

If they are infiltrators, then expel them.

The first phase of voting in Bihar is in three days. The atmosphere is highly charged. Prime Minister Modi and Home Minister Amit Shah have intensely raised the issue of infiltrators in this election as well. The birth anniversary of Sardar Patel, the country's first Home Minister and the Iron Man of India, was on October 31st. We celebrate it as 'National Unity Day'. On that day, Prime Minister Modi declared infiltration or illegal migration a "threat to national unity and security." The Prime Minister also said that governments have turned a blind eye to infiltration for the sake of vote bank politics, and that the country's demographics are changing. He did not directly target Muslims, but the Home Minister said that the Muslim population has reached 24.6 percent. That is, there are more than 35-36 crore Muslims in the country. The Home Minister sharply stated that India is not a ???????? (guesthouse). It is hard to believe that only the Muslim population constitutes the infiltrators, because in the past, illegal immigrants from countries like Nigeria, Uganda, Rwanda, and Nepal have also been sent back to their countries. We have been hearing the figure of Bangladeshi infiltrators since 1975-76, that there are about 2 crore Bangladeshis in our country. This has been a fundamental, ideological, and political issue for the RSS and Jan Sangh. In 2016, Union Minister Kiren Rijiju, in response to a question, informed Parliament that the number of infiltrators is more than 2 crore. Their counting is difficult because they possess valid government documents, albeit obtained illegally. In 2004, Shri Prakash Jaiswal, the then Minister of State for Home Affairs in the UPA government, disclosed in Parliament that there are 1.2 crore Bangladeshi illegal immigrants in the country. It is noteworthy that the then Indian government did not declare them as 'infiltrators'. The current Home Ministry also has data that there are more than 40,000 Rohingya Muslims in the country, spread across states like Jammu and Kashmir, Haryana, Delhi-NCR, Uttar Pradesh, Rajasthan, and Telangana. The majority of Rohingya infiltrations have been from Myanmar and Bangladesh. The question is, if there are so many infiltrators in the country, and the Prime Minister has repeatedly raised this issue in various elections, even announcing a 'National Demography Mission' from the ramparts of the Red Fort on Independence Day, why has the government failed to expel these infiltrators from the country so far? Is infiltration a national problem or a political battle, or are they truly a threat to national security? What is the reality? Prime Minister Modi's repeated expressions of concern on this issue do not seem logical, especially since the Modi government's record of sending infiltrators back to their countries has been negligible. The Modi government apprehended 1175 alleged infiltrators in 2017, 1118 in 2018, 1351 in 2019, 1547 in 2023, 1694 in 2024, and 723 so far in 2025. Even if we assume that all of them will be sent back to their countries of origin, the total number according to government figures doesn't even reach 10,000. The government itself has admitted in Parliament that there are more than 20 million infiltrators in the country. What is the government's accountability? These figures clearly show that the country will never be free of infiltrators! Home Minister Amit Shah also revealed that the Muslim population growth in West Bengal alone is 40 percent, while in the border areas this increase goes up to 70 percent. Should this increase in the Muslim population be considered as 'infiltrators'? That would not be just. Since there are elections in Bihar, the question should be asked why the Kishanganj parliamentary.

The Need for New Cities: Addressing the Challenge of Urbanization

This significantly boosts GDP growth. China is a prime example. It is estimated that China has built 3,800 new cities over the past 40 years, housing over 150 million people. If India is to realize its vision of becoming a developed nation by 2047, this goal seems unattainable without the construction of thousands of new small and medium-sized cities. New cities are essential to cope with urbanization and the increasing pressure on existing IT hub cities. I recently visited Bengaluru. It was nighttime when I left the airport, a time when traffic is supposed to have eased. Yet, it took me over an hour and a half to reach Richmond Circle, a major city center. During the relatively long journey, the driver began pointing out the problems, mentioning how IT companies are relocating from the city and new campuses are being built in other areas. Not long ago, a senior minister in the Karnataka government and a corporate giant had a heated exchange over the city's crumbling infrastructure. The Bengaluru story illustrates how this city, considered India's IT hub, is buckling under the weight of its own success. The IT industry is expanding rapidly across the country, and several states have started rolling out the red carpet for entrepreneurs to set up establishments there. While cities in East and North India are a treasure trove of IT talent, these cities are not on the list of potential locations for entrepreneurs. Furthermore, available data shows that more than a third of the employees at companies like Zoho, SAP, PayPal, and Nvidia come from Tier 3 colleges. To attract entrepreneurs, Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath has announced the allocation of land for nine industrial and commercial clusters, including IT and data centers, but this is not enough. Technology-based industrial and commercial centers depend on the availability of human resources. Generation Z is currently a hot topic of discussion. This generation, born between 1997 and 2012, is poised to become a significant source of talent for the future. This generation desires a work environment that emphasizes flexibility, mental health, and well-being. They prioritize work-life balance and reject the traditional attitudes of previous generations. This generation prefers a vibrant social environment. Bengaluru and other Indian metropolises do not offer this kind of environment. There, migration is inevitable. Consider Silicon Valley in the US, often called a global IT hub; it is spread across about a dozen small towns and cities. The headquarters of major global IT giants are located in these areas. Apple is in Cupertino, Google in Mountain View, Meta in Menlo Park, and Cisco in San Jose. None of these cities have a population exceeding one million. It is possible for any working person there to pick up their child from school and enjoy lunch at home. An IT hub ecosystem is not established haphazardly. It includes aspects such as a deep talent pool, strong university-industry linkages, supportive infrastructure, and confidence in the safety of life, residence, and property. The creation of such an ecosystem begins with physical infrastructure. Taking Uttar Pradesh as an example, the state's success in expressway construction is commendable. All expressways pass through important cities of the state, where some renowned universities are located. Therefore, it makes sense to develop physical infrastructure within a 150 km radius along these expressways. It must be ensured that the proposed clusters are not too close to the main city so that they do not become part of the agglomeration and fail to meet the expectations of the talent pool. The blueprint for a new cluster city should include industrial and commercial complexes and a residential township. The construction of a modern township requires patient capital, a risk-taking mindset, city planners, modern tenders, and streamlined governance. Success on this scale should be measured by the speed and quality of city construction. The 'Build, Operate, and Transfer' principle is the most practical option. For this, the lease should be for a minimum of 99 years and extendable for another 99 years, so that the return on capital is attractive. The invitation to tender should be global. It is no secret that congestion is increasing in Indian cities. The impact of urban renewal and smart city programs has been very limited, and there has been hardly any improvement in the ease of living. The challenge of rapidly increasing urbanization can only be met by building numerous new small and medium-sized cities. In fact, the development of new cities provides a strategic approach to managing urban development, developing organized infrastructure, reducing congestion, decreasing commuting time, and providing a better standard of living at a lower cost. Economically, new cities are also very attractive. They create job opportunities, attract investment, and foster complementary and ancillary businesses and service enterprises. This significantly boosts GDP growth. China is a prime example of this. It is estimated that over the past Over the past 40 years, China has built 3,800 new cities, which are home to more than 150 million people. If India is to realize its vision of becoming a developed nation by 2047, this goal seems unattainable without the creation of thousands of new small and medium-sized cities.

Politics has become a means of display, with no one caring about the concerns of the voters.

The media too must understand its responsibility and promote investigative and factual journalism. If we want to save the soul of democracy, the public too must change its attitude. Indian democracy is the world's largest platform for citizen participation. This platform is only meaningful when policy, competition, schools, hospitals, employment, and local infrastructure are at the center. Simplicity is not a decorative item, but the soul of Indian politics. The responsibility to protect it rests with the parties, institutions, and above all, the voters. Today, it is common to see 40-50 expensive cars in their convoys. Mahatma Gandhi, Lal Bahadur Shastri, Jayaprakash Narayan, etc., promoted the spirit of simple living, simplicity, restraint, and high ideals in Indian politics, but in the last two-three decades, the core objective of Indian democracy – representation, accountability, and public service – seems to have shifted towards outward show, glitz, and expensive propaganda machinery. Earlier, leaders traveled in ordinary cars; today, it is common to see 40-50 expensive cars in their convoys. The lines of vehicles speeding alongside leaders, the sirens, commando-style security, and the atmosphere of power display among supporters themselves send a message of a new kind of politics. Politics is now speaking the language of showmanship instead of ideas, policies, and work. This scene has become common, but does it reflect the spirit of democracy or is it the hallmark of a new kind of politics where power has become a means of display? Currently, assembly elections are being held in Bihar. In the state, money and influence are being displayed in the name of election campaigning.

This is especially being done by candidates with a strongman image. According to a survey, out of a total of 1303 candidates contesting in the first phase of voting, 423 (32 percent) have declared criminal cases against themselves. Of these, 354 candidates (27 percent) have stated that serious criminal cases are registered against them. Earlier, in the 2020 Bihar assembly elections, 163 (68 percent) of the 241 winning members had declared criminal cases against themselves. This figure was 58 percent in 2015. According to an analysis by the Association for Democratic Reforms (ADR), 251 out of 543 members of the Lok Sabha have criminal cases registered against them. Of these, 170 (31 percent) face serious criminal charges. The scenario in state assemblies is no different. Of the 4092 MLAs across 28 states and three Union Territories, 1861 (45 percent) have declared criminal cases against themselves in their affidavits. The criminalization of politics is becoming institutionalized with each election. 93 percent of the members in the current Lok Sabha are millionaires. This figure was 58 percent in 2009, 82 percent in 2014, and 88 percent in 2019.

The average assets of MPs contesting the 2024 elections again increased by 43 percent in five years. This figure indicates that access to power accelerates the accumulation of economic capital. The length of car convoys and the budget for 'show-off' stem from this. This change is the hallmark of the new politics, where leaders appear like kings. Crowds and processions have traditionally held a place in democratic politics, but today they no longer merely signify support, but rather dominance. A long convoy of vehicles provides the 'assurance' that the leader is 'powerful' and can 'protect' 'their people'. This psychology creates pre-election fear and subservience. Drone shots and reels on social media have further amplified this. The larger and more cinematic the convoy appears, the more powerful the leader is perceived to be. Large convoys, grand stages, round-the-clock branding, AI-driven videos, and digital advertising have now become the central pillars of politics. They influence ticket distribution, candidature, policy-making, and even the voter. Through this window, the nexus of crime and money power is becoming the new normal within democracy. The Centre for Media Studies estimated the total expenditure for the 2024 Lok Sabha elections to be over one lakh crore rupees. Back then, seizures of cash, liquor, drugs, precious metals, and 'freebies' amounted to around ?9,000 crore. This figure defines the peak level of the propaganda war and also indicates that the electoral process in India has become one of the most expensive democratic exercises in the world. It is truly a testament to the nexus between electoral finance and criminal networks. When electoral donations influence policy-making, public interest inevitably takes a backseat to 'return on investment'. This structure must be changed by strictly enforcing the rules. We need to reinstate ideals like those of Gandhi, Shastri, and Patel in politics. Parties should prioritize merit, character, and service when distributing tickets, not glamour and glitz. When criminal networks and money power become the basis for ticket distribution, honest workers will be discouraged. The media too must understand its responsibility and promote investigative and factual journalism. If we want to save the soul of democracy, the public too must change its attitude. India's democracy is the world's largest platform for citizen participation. This platform is only meaningful when policy, competition, schools, hospitals, employment, and local infrastructure are at the center. Simplicity is not a mere embellishment; it is the soul of Indian politics. The responsibility to safeguard it rests with the parties, institutions, and above all, the voters.

दूल्हे के अरमान ठंडेः शाहीन ने आशा बनकर राजकुमार से की शादी, पूरा खर्च भी लिया, बाद में जेवर-नकदी ले उड़ी

बिहार की शाहीन खातून ने पहचान छिपाकर राजकुमार से झूठी शादी कर डाली। इसके बाद नकदी और जेवर हड़प लिए गए। असलियत पता चलने पर आरोपियों ने पीड़ितों से मारपीट कर धमकी भी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिहार की शाहीन खातून नाम की लड़की को आशा बताकर जालसाजों ने मजदूर राजकुमार से झूठी शादी कराई। इसके बाद नकदी-आभूषण हड़प लिए। पहचान छिपाकर झूठा विवाह कराने व धोखाधड़ी करने के मामले कोर्ट के आदेश पर दो महिलाओं समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।रहरा थानाक्षेत्र के गांव पौरारा निवासी सोमपाल ने बताया कि वह बेटे राजकुमार की शादी कराना चाहते थे। उनकी गरीबी का फायदा उठाकर गांव के ही मनवीर और संभल के गुन्नौर निवासी विनोद व पूजा ने उनसे संपर्क किया।आरोपियों ने सोमपाल को बताया कि एक गरीब लड़की आशा है जिसकी शादी वे राजकुमार से करा सकते हैं लेकिन लड़की के माता-पिता नहीं हैं और शादी का सारा खर्च सोमपाल को उठाना होगा। तीनों आरोपियों ने सोमपाल से नकद 70 हजार रुपये लिए। पांच जून 2025 को राजकुमार की शादी करा दी। शादी में सोमपाल ने सोने-चांदी के जेवर और कपड़े भी चढ़ाए। कुछ दिन बाद पता चला कि दुल्हन का नाम आशा नहीं, बल्कि शाहीन खातून है, जो बिहार की रहने वाली है। 26 जुलाई 2025 को सोमपाल ने जब इस धोखे के बारे में आरोपियों से बात की, तो आरोप है कि मनवीर, विनोद, पूजा और शाहीन खातून ने गाली-गलौज की और सोमपाल व उनके बेटे राजकुमार के साथ मारपीट की। आरोपियों पर घर में रखे 15 हजार रुपये नकद व शादी में जेवर व कपड़े भी ले गए। साथ ही पुलिस से शिकायत करने पर झूठा मुकदमा दर्ज कराकर जेल भिजवा देने की धमकी दी। पीड़ित ने रहरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देने के बाद भी जब कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो सोमपाल ने न्यायालय की शरण ली। सीओ दीप कुमार पंत ने बताया कि न्यायालय के आदेश के बाद रिपोर्ट दर्ज की है।

खंती में मिला शराब सेल्समैन का शव सड़क

बिलासपुर। शराब के सेल्समैन अमृतपाल सिंह (55) की बाइक में किसी अज्ञात वाहन ने मंगलवार की रात टक्कर मार दी, जिसके कारण वह बाइक समेत सड़क किनारे खंती में गिर गए। बुधवार की सुबह उनका शव खंती में पड़ा मिला। परिजनों ने घटना की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है।खजुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम बांसखेड़ा निवासी अमृतपाल सिंह नगर की एक शराब की दुकान पर सेल्समैन का काम करते थे। शराब के क्षेत्रीय इंचार्ज डिंपल सिंह के अनुसार अमृतपाल सिंह मंगलवार की रात करीब नौ बजे दुकान से बाइक से अपने घर जा रहे थे। बेगमाबाद गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिसके कारण वह बाइक समेत सड़क किनारे खंती में गिर गए।देररात तक उनके घर न पहुंचने पर उनको खोजना शुरू किया, लेकिन वह नहीं मिल सके। बुधवार की सुबह लोगों ने उनके शव को खंती में पड़ा देखा तो परिजनों को सूचना दी। सूचना पाकर परिजन विलाप करते हुए मौके पर पहुंचे। बाद में परिजन उनके शव को बिना किसी पुलिस कार्रवाई के घर ले गए। फिलहाल परिजनों ने कोई पुलिस कार्रवाई नहीं की है। वहीं, खजुरिया थाना प्रभारी पंकज पंत ने घटना के प्रति अनभिज्ञता जताई है।

मझोला में फर्म कर्मी की गोली मारकर हत्या, पड़ोसी ने दिया वारदात को अंजाम; दो माह से चल रहा था विवाद

इस हत्याकांड को पड़ोसी अमन और उसके बहनोई राजा ने अंजाम दिया है। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी हवा में तमंचे लहराते हुए भाग गए।मझोला थाना क्षेत्र के लाइन पार एकता कॉलोनी प्रीतम नगर में बुधवार की रात करीब नौ बजे फर्म कर्मी नेकपाल (23) की सीने में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड को पड़ोसी अमन और उसके बहनोई राजा ने अंजाम दिया है। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी हवा में तमंचे लहराते हुए भाग गए।आरोपी अमन दो माह पहले नेकपाल की बहन को अपने साथ लेकर चला गया था लेकिन शाम को छोड़ गया था। इसके बाद से ही दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की है। पुलिस के मुताबिक, गोली मारकर मौत के घाट उतारे गए नेकपाल के परिवार में उसके पिता कन्हैया, मां मोहन देई, छोटा भाई केशव और दो बहनों हैं। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। बताया जा रहा है कि दो माह पहले नेकपाल की बहन को पड़ोस में रहने वाला अमन अपने साथ ले गए था। परिवार के लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी थी लेकिन शाम को अमन ने नेकपाल की बहन को घर छोड़ दिया था। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था लेकिन कुछ लोगों ने बीच में आकर समझौता करा दिया था। नेकपाल के परिवार के लागों ने पुलिस को बताया कि मंगलवार को परिवार के सभी लोग गंगा स्नान करने तिगरी गए थे। घर में केवल नेकपाल के मामा पप्पू मौजूद थे। आरोप है कि अमन और उसके बहनोई राजा ने पप्पू के साथ मारपीट की थी। बुधवार को परिजन वापस आए तो पप्पू ने आपबीती सुनाई। नेकपाल इस बात को सुनकर अपने घर के बाहर आया तो उसे अमन और राजा मिल गए। उसने मामा पप्पू को पीटने का कारण पूछा तो राजा और अमन भड़क गए और उन्होंने नेकपाल के साथ मारपीट की। इसी बीच राजा ने नेकपाल के सीने पर तमंचा सटाकर गोली मार दी। फायरिंग की आवाज सुनकर नेकपाल के परिजन और आस पड़ोस के लोग आए तो आरोपी तमंचा लहराते हुए भाग गए। परिजन घायल नेकपाल को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल की है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

अमीक जामेई बोले-आरएसएस और भाजपा के इशारों पर काम कर रहा चुनाव आयोग

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमीक जमई ने मुरादाबाद लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में पत्रकारों से अनौपचारिक वार्ता के दौरान चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर बड़ा सवाल उठाया। कहा कि अब चुनाव आयोग आरएसएस और भाजपा के इशारों पर काम कर रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में गर्माहट ला दी। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया के नाम पर मतदाता सूची में हेराफेरी की जा रही है। विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देने से चुनाव आयोग बच रहा है। उन्होंने कहा कि अब आयोग स्वतंत्र नहीं रहा, सत्ता पक्ष के दबाव में काम कर रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार सहित कई राज्यों में ईवीएम की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं, लेकिन आयोग चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को निशाना बनाकर मतदाता सूचियों से लाखों नाम हटाए जा रहे हैं, जिससे लोकतंत्र पर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हाल में दिए बयान का समर्थन करते हुए कहा कि वोट चोरी लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है, जनता अब इसका जवाब देगी। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी मिल्कीपुर उपचुनाव में धांधली की बात उठाई थी, जो अब पूरे देश में चर्चा का विषय है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में इंडिया गठबंधन की जीत तय है। बदलाव की बयार बिहार से उठ चुकी है। इस दौरान सपा के ठाकुरद्वारा विधायक नवाब जान आदि भी मौजूद रहे।

मौसम में बदलाव से बच्चों में बढ़ा निमोनिया का खतरा

रामपुर। मौसम तेजी से करवट बदल रहा है। ऐसे में लोगों को वायरल बुखार ही नहीं निमोनिया भी जकड़ रहा है। बच्चे व बड़े दोनों ही इसकी चपेट में आ रहे हैं। जिला अस्पताल में प्रत्येक दिन दर्जनों मरीज निमोनिया के पहुंच रहे हैं। जिसमें सबसे अधिक बच्चे शामिल हैं।डॉक्टर बदलते मौसम में दवा के साथ सावधानी की सलाह दे रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है तापमान में तेजी से बदलाव हो रहा है। दिन में गर्मी व उमस और रात में ठंडक से वायरल का संक्रमण तेजी से पनप रहा है। इससे काफी लोग बुखार, खांसी-जुकाम की चपेट में आ रहे हैं।संक्रमण की चपेट में आने के बाद उपचार नहीं कराने अथवा सावधानी नहीं बरतने की वजह से बच्चे और बड़े निमोनिया की चपेट में आने लगे हैं। जिला अस्पताल के बाल रोग विभाग की ओपीडी में करीब 40 फीसदी बच्चे वायरल संक्रमण की वजह से बुखार, खांसी-जुकाम से पीड़ित आ रहे हैं। मौसम में बदलाव से वायरल बुखार व निमोनिया के अलावा कुछ बच्चों में पेट की समस्या हो रही है। बच्चों को दवा के साथ सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। बच्चों को गर्म कपड़े पहनाएं और हो सके तो गुनगुना पानी पिलाएं। इस मौसम में बचाव ही सबसे बेहतर उपचार है। - डॉक्टर केसी जोशी, बाल रोग विशेषज्ञ

जो बोले सो निहाल के जयकारे के साथ निकला नगर कीर्तन

बिलासपुर। सीमांत गुरुद्वारा नानकपुरी टांडा में बुधवार को श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। क्षेत्र में पहुंचे नगर कीर्तन का संगत ने जगह-जगह फूल बरसाकर स्वागत किया, जो बोले सो निहाल के जयकारों संग निकले नगर कीर्तन गतका पार्टी के करतबों ने सभी को हैरान कर दिया। संगत ने सुसज्जित पालकी के समक्ष माथा टेककर आशीर्वाद लिया।सीमांत ग्राम नानकपुरी टांडा गुरुद्वारा बाग साहिब से बुधवार की सुबह दस बजे दिल्ली कारसेवा वाले बाबा वचन सिंह के निर्देश पर बाबा चंदन सिंह व बाबा गुरजंट सिंह की देखरेख में नगर कीर्तन शुरू होकर क्षेत्र के चुंबकिया, गोधी, हयात नगर, खाता शर्मा मोड़, मनुआ पट्टी होते हुए गुरुद्वारा नानकपुरी टांडा साहिब पहुंचा। नगर कीर्तन समाप्ति की अरदास हेड ग्रंथी ज्ञानी हरदीप सिंह ने की।नगर कीर्तन में सबसे आगे गतका पार्टी, पंजाबी फौजी बैंड अपनी कला के जौहर दिखा रहे थे।

डॉक्यूमेंट साफ नहीं होने पर भी रद्द नहीं होगा आरटीई फार्म

रामपुर। अब पोर्टल पर आरटीई के आवेदन में साफ डॉक्यूमेंट नहीं होने पर भी फॉर्म निरस्त नहीं होंगे। अभिभावकों को डॉक्यूमेंट में सुधार करने का मौका मिलेगा। पहले चरण के लिए आवेदन प्रक्रिया दिसंबर से शुरू होगी। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को निजी स्कूलों की 25 प्रतिशत सीटों पर दाखिले के लिए सरकार की ओर से आरटीई के अंतर्गत आवेदन कराए जाते हैं। इसके लिए नए सत्र में कई बदलाव किए गए हैं। ताकि पात्र बच्चों को आसानी से दाखिला मिल सके।पहले पोर्टल पर डॉक्यूमेंट साफ नहीं दिखने पर आवेदन निरस्त कर दिया जाता था, परंतु इस बार विभाग ने आवेदकों को बड़ी राहत दी है। अगर आपके फॉर्म में डॉक्यूमेंट साफ अपलोड नहीं किए गए हैं तो आपका फार्म निरस्त नहीं किया जाएगा। पहले गलती होने पर फॉर्म रद्द हो जाता था। अब सुधार के लिए समय मिलेगा, जिससे अभिभावकों को राहत मिलेगी और समय की बचत होगी।विभाग ने नए सत्र में शिक्षा प्रणाली को सुगम बनाने के लिए कई और बदलाव भी किए हैं। इसके अलावा अभिभावकों को ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने में सहायता प्रदान की जाएगी। आवेदन प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनाई जाएगी। ताकि अभिभावकों को किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलेभर के करीब के 756 निजी स्कूलों में 6917 बच्चों को आरटीई के तहत प्रवेश दिया जाएगा। साथ ही हेल्प डेस्क के कर्मी आवेदन की गलती अभिभावकों को बुलाकर ठीक करवाएंगे। आवेदन प्रक्रिया की निगरानी के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। सामुदायिक सहभागिता के डीसी सुनील कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आरटीई के आवेदन फार्म में डॉक्यूमेंट साफ अपलोड नहीं करने पर अब फॉर्म निरस्त नहीं किए जाएंगे। अभिभावकों को फॉर्म में गलतियां सही करने के लिए बुलाया जाएगा।

शारिक साटा के खिलाफ परमानेंट वारंट होगा जारी, हिंसा के बीच गुर्गों से करवाई थी फायरिंग

संभल हिंसा का मास्टरमाइंड शारिक साटा दुबई में बैठकर हथियार, नकली नोट और सोने की तस्करी सहित कई बड़े अपराधों में लिप्त है। संभल पुलिस उसके खिलाफ परमानेंट वारंट जारी कराने की प्रक्रिया में है। इसके बाद इंटरपोल के माध्यम से गिरफ्तारी की कार्रवाई होगी। जांच में पता चला कि उसके गिरोह ने देशभर में वाहन चोरी कर नेपाल तक पहुंचाए। संभल में 24 नवंबर को हुए बवाल का मास्टरमाइंड शारिक साटा हथियार तस्करी, नकली नोट की तस्करी, परमानेंट वारंट जारी कराने की प्रक्रिया को बढ़ा रही है। इसके बाद बढ़ाती है तो शारिक साटा को छिपने के लिए दुनिया में कोई ठिकाना नहीं देश में वाहन चोरी करता है और नेपाल तक वाहनों को पहुंचाने का काम गुलाम और वारिस ने विदेशी पिस्टल से गोलियां चलाई थीं। एसआईटी शारिक साटा की भूमिका प्रकाश में आई। गुर्गों ने बताया कि शारिक साटा चलाने के लिए कहा था।जिससे शहर का माहौल पूरी तरह खराब हो सके परिजनों ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इन हत्या के आरोप में ही मुल्ला हो चुकी है।इस बवाल में जब शारिक साटा की भूमिका मिली तो उसकी गैरजमानती वारंट के साथ कुर्की की कार्रवाई आगे बढ़ रही है लेकिन

सोना तस्करी जैसे बड़े अपराध करता है। संभल पुलिस शारिक साटा के खिलाफ इंटरपोल से गिरफ्तारी के लिए पत्राचार शुरू किया जाएगा। पुलिस इस कार्रवाई को आगे मिलेगा। अभी वह दुबई में रहकर अपने गिरोह को चला रहा है। शारिक साटा का गिरोह करता है।24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान शारिक साटा के गुर्गे मुल्ला अफरोज, को मौके से विदेशी कारतूस के खोखे मिले थे। जब तीनों गुर्गे गिरफ्तार किए गए तो ने ही हथियार व कारतूस उपलब्ध कराए थे और उसने ही भीड़ और पुलिस पर गोलियां और कर्फ्यू लग सके। इस बवाल में पांच लोगों की जान चली गई थी। चार मृतकों के अफरोज, गुलाम और वारिस जेल में बंद हैं। मुल्ला अफरोज पर एनएसए की भी कार्रवाई खोजबीन की। पुलिस को जानकारी मिली कि वह दुबई में रहकर गिरोह चला रहा है। शारिक साटा की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इसी क्रम में अब परमानेंट वारंट जारी कराने की तैयारी है। दिल्ली पुलिस भी गैरजमानती वारंट लेकर संभल पहुंची वाहन चोरी के काफी मुकदमे दिल्ली में शारिक साटा के खिलाफ दर्ज हैं। आखिरी बार जेल भी दिल्ली पुलिस ने ही वाहन चोरी के मामले में भेजा था। इसके बाद वह फर्जी पासपोर्ट के माध्यम से दुबई जाकर बैठ गया। वहीं से वाहन चोरी व अन्य तरह के अपराध करा रहा है। बुधवार को दिल्ली पुलिस गैरजमानती वारंट लेकर संभल पहुंची और शारिक साटा की तलाश की लेकिन आसपास के लोगों ने बताया कि वह लंबे समय से संभल नहीं आया है।इसके बाद पुलिस दिल्ली लौट गई। दरअसल संभल पुलिस की कार्रवाई के बाद दिल्ली पुलिस भी चेत गई है। अब दिल्ली पुलिस को भी शारिक साटा की तलाश है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया दिल्ली पुलिस गैर जमानती वारंट लेकर आई थी और शारिक साटा की तलाश की थी। वाहन चोरी के मामले में वारंट होने की जानकारी है। परमानेंट वारंट क्या होता है परमानेंट वारंट तब जारी किया जाता है जब कोई व्यक्ति अदालत की समन या जमानती वारंट जारी होने के बाद भी पेश नहीं होता है। यह वारंट पुलिस को उस व्यक्ति को गिरफ्तार करने और अदालत में पेश करने का अधिकार देता है, बिना जमानत की सुविधा के, क्योंकि उस पर फरार होने या न्याय में बाधा डालने का आरोप लगाया जाता है। यह वारंट तब तक रद्द नहीं होता जब तक कि अदालत रद्द न कर दे। इसमें आरोपी को अदालत में पेश होना ही होता है।इंटरपोल करेगी शारिक साटा की गिरफ्तारी, रेड कॉर्नर नोटिस होगा जारी- एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि परमानेंट वारंट जारी होने के बाद पुलिस मुख्यालय को पत्र लिखकर अवगत कराया जाएगा। पुलिस मुख्यालय से सीबीआई को पत्राचार किया जाएगा। इसके बाद सीबीआई की ओर से इंटरपोल को गिरफ्तारी के लिए लिखा जाएगा। तब इंटरपोल की ओर से रेड कॉर्नर नोटिस जारी कर गिरफ्तारी की जाएगी। एसपी ने बताया कि इस प्रक्रिया को जल्द पूरा कराया जाएगा। ताकि बवाल के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर संभल लाया जा सके।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कर्नाटक के रिटायर्ड मुख्य सचिव राजीव चावला की अध्यक्षता में बैठक हुई सम्पन्न

एग्रीस्टैक स्कीम एवं फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में हुई वार्तालाप

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली, सेवानिवृत्ति मुख्य सचिव कर्नाटक राजीव चावला की अध्यक्षता में एग्रीस्टैक स्कीम एवं फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि डिजिटल क्रॉप सर्वे में उचित प्रकार से कार्य किया जाए इसकी मॉनिटरिंग लगातार शासन स्तर से की जा रही है, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही ना बरती जाए। बैठक में सभी समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि अभी 18 प्रतिशत किसान ऐसे हैं जिनका रजिस्ट्रेशन डिजिटल क्रॉप सर्वे में नहीं हो पाया है जिस पर उन्होंने संबन्धित अधिकारियों को किसानों का डिजिटल क्रॉप सर्वे में रजिस्ट्रेशन शीघ्र पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए तथा नगरी क्षेत्र के लोगों का रजिस्ट्रेशन फार्मर रजिस्ट्री में न कराया जाए। डिजिटल क्रॉप सर्वे में अंश निर्धारण का कार्य जो अधूरा चल रहा है उसे 15 दिवस के भीतर पूर्ण कराया जाए । डिजिटल क्रॉप सर्वे में शासन से जो लक्ष्य प्राप्त हुआ है उसे शत प्रतिशत पूर्ण किया जाए । बैठक में उपनिदेशक कृषि को निर्देश दिए गए कि डिजिटल क्रॉप सर्वे में जो भी कर्मचारी कार्य करे उसका भुगतान शत प्रतिशत व शीघ्र किया जाए । उक्त के उपरांत सेवानिवृत्ति मुख्य सचिव कर्नाटक द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन हेतु चलाएं जा रहे प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया यह प्रचार वाहन गांव गांव जाकर प्रचार- प्रसार कर सकें । बैठक में मंडलायुक्त भूपेंद्र एस चौधरी, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला कृषि अधिकारी बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर, पीलीभीत, सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे ।

11000 दीयों की रोशनी से चमका रामगंगा घाट

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। रामगंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर पूर्व वर्षों की भांति मां गंगा बचाओ वेलफेयर सोसायटी/ऑल इंडिया रियल फॉर कल्चरल, एजुकेशनल, वेलफेयर सोसाइटी/ महिला कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय रामगंगा महोत्सव के अंतर्गत पंचम देव दीपावली महोत्सव में 11000 दीप प्रज्वलित कर रामगंगा घाट पर देव दीपावली मनाई गई व माँ गंगा जी की महाआरती की गयी। साथ ही श्री गंगा, गौ, बेटी, पर्यावरण बचाओ - देश बचाओ के साथ रक्तदान महादान का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बिथरी चैनपुर के विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, आंवला जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रजनीश सक्सेना, सरंक्षक माता जी सरस्वती देवी, सी एल शर्मा, अनुपम कपूर, राकेश कुमार अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, दिनेश गोयल, वी पी खंडेलवाल, जयवीर सिंह द्वारा माँ गंगा एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ महेंद्र सिंह बासु ने की। आयोजन में गंगा घाट के श्रद्धालुओं के साथ जिला प्रशासन, नगर निगम आदि का महत्पूर्ण योगदान रहा। संचालन रंगकर्म शाखा अध्यक्ष रवि सक्सेना एवं प्रदेश संयोजक सचिन श्याम भारतीय ने किया।

विधवा महिला साथ रहने का बना रही थी दबाव, युवक ने कर ली आत्महत्या

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिले के बिथरीचैनपुर थाने में तैनात एक पुलिस सिपाही की आत्महत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक सिपाही के भाई ने खाना बनाने वाली विधवा महिला पर अपने जाल में फंसाकर उसे ब्लैकमेल करने का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। बता दें कि मेरठ में थाना फलावदा के गांव खाता निवासी सिपाही शिवकुमार थाना बिथरी चैनपुर में तैनात थे। वह बिथरी चैनपुर में ही अस्पताल के सामने भूरे कश्यप के मकान में किराए पर रहते थे, जहां उनके साथ सिपाही सचिन, आकाश और विकास भी रहते थे। इसी मकान में 21 अगस्त को शिवकुमार ने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी थी। इस मामले में उनके भाई आदेश कुमार ने सीता देवी नाम की विधवा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनका कहना है कि चारों सिपाहियों ने घर का काम और खाना बनाने के लिए आठ दस महीनों से विधवा सीता देवी को काम पर रखा था। उसे मासिक चार हजार रुपये दिए जाते थे। इसी दौरान महिला ने शिवकुमार से नजदीकी बढ़ा ली और उन्हें ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। इसी बीच शिवकुमार की शादी की चर्चा शुरू हुई तो सीता ने शादी ने होने देने की बात कहते हुए अपने साथ रहने का दबाव बनाने लगी। इससे मानसिक तनाव में आकर उनका भाई लगातार परेशान रहने लगा। आत्महत्या से कुछ दिन पहले छुट्टी पर घर आने पर भी शिवकुमार ने यह बात परिवार को बताई थी। पुलिस ने उनकी तहरीर के आधार पर आरोपी महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजन के मुताबिक शिवकुमार की उम्र करीब 27 वर्ष है और वह वर्ष 2021 में यूपी पुलिस में भर्ती हुआ था। वह अप्रैल 2023 से थाना बिथरी चैनपुर में तैनात था। तभी खाना बनाने वाली 50 वर्षीय सीता देवी ने उसे अपने जाल में फंसा लिया।

अब बरेली में मैक्स हॉस्पिटल, पटपड़गंज, ने शुरू की ब्लड डिसऑर्डर्स और बीएमटी ओपीडी सेवाएँ

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज, ने बरेली के गुरुनानक हॉस्पिटल में ब्लड डिसऑर्डर्स और बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन (क्क्रूझ) के लिए अपनी एक्सक्लूसिव ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की। इन सेवाओं की शुरुआत, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज, के हीमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट, पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी विभाग के डायरेक्टर - डॉ. सत्येन्द्र कटेवा, की उपस्थिति में की गई। डॉ. सत्येन्द्र कटेवा, अब हर महीने के दूसरे बुधवार को दोपहर 12ः00 बजे से 2ः00 बजे तक गुरुनानक हॉस्पिटल, बरेली, में प्राइमरी कंसल्टेशन और फॉलो-अप के लिए उपलब्ध रहेंगे। लॉन्च के दौरान, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज, के हीमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट, पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी विभाग के डायरेक्टर- डॉ. सत्येन्द्र कटेवा, ने कहा, 卐ब्लड कैंसर जैसे ल्यूकीमिया, लिम्फोमा और मायलोमा के मामलों में समय पर पहचान बेहद जरूरी है, क्योंकि लगातार थकान, बिना वजह बुखार या ब्लड रिपोर्ट में असामान्य परिणाम जैसे लक्षण गंभीर बीमारी का संकेत हो सकते हैं। बच्चों में कैंसर की पहचान होने पर अगर उन्हें किसी अच्छे पीडियाट्रिक कैंसर सेंटर में सही इलाज मिले, तो 70 प्रतिशत तक मामलों में इलाज संभव है। इम्यूनोथेरेपी, कार-टी सेल थेरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी एडवांस तकनीकों के चलते अब मरीजों के रिजल्ट्स काफी बेहतर हुए हैं, जिससे उन्हें दोबारा स्वस्थ जीवन की उम्मीद मिल रही है।

31 बदमाशों पर पुलिस ने कसा शिकंजा खोली हिस्ट्रीशीट, नियमित होगी निगरानी

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिले में लूट, मादक पदार्थों की तस्करी, गोकशी, हत्या, लूट, डकैती जैसी संगीन वारदात में शामिल 31 बदमाशों की पुलिस ने हिस्ट्रीशीट खोली है। इनमें सबसे ज्यादा सात बदमाश फरीदपुर थाना क्षेत्र के हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि जिन बदमाशों की हिस्ट्रीशीट खोली गई है उनको नियमित निगरानी की जाएगी। इनमें कुछ बदमाश जेल में हैं। पुलिस पिछली छह माह से प्रचलित अपराधियों की सूची तैयार कर रही है। हाल के दिनों में यह दूसरा मौका है जब एक साल 31 बदमाशों की हिस्ट्रीशीट खोली गई हो। हिस्ट्रीशीटर और गैंगस्टर के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। नए घोषित किए गए हिस्ट्रीसीटरों में थाना क्षेत्र आंवला, नवाबगंज के बदमाश भी शामिल हैं। एसएसपी ने बताया कि सभी थाना क्षेत्रों की पुलिस को संबंधित बदमाशों की नियमित निगरानी का आदेश दिया गया है। हिस्ट्रीशीट खुलने बालों में बड़े उर्फ अजरुद्दीन निवासी दुनका थाना शाही, तौफीक अहमद निवासी गांव बसई थाना शाही, महेंद्रपाल निवासी गांव मंडनपुर थाना मीरगंज, रोहित यादव निवासी भुर्जी ओला थाना आंवला, नाजिम अली निवासी फूटा दरबाजा थाना आंवला, निजाम उर्फ निजामुद्दी निवासी मनौना थाना आंवला, अफरोज अहमद निवासी गांव मथुरापुर थाना सीबीगंज, राजा निवासी सरनिया थाना सीबीगंज, हनीफ उर्फ बिल्ला निवासी गांव भिंडौलिया थाना बिथरी चैनपुर, खुर्शीद निवासी गांव अंगूरी टांडा थाना सुभाषनगर, सैफी निवासी खुशबू इन्क्लेव थाना बारादरी का नाम सहित लोग शामिल है।

15 हजार रुपये रिश्वत लेते चकबंदी कार्यालय का पेशकार , गिरफ्तार

एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथ पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। एंटी करप्शन टीम ने बृहस्पतिवार को चकबंदी कार्यालय फरीदपुर के पेशकार रजत चौधरी को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने के बाद टीम उसे सीधे बरेली कोतवाली ले आई। कोतवाली में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की तैयारी है। जानकारी के मुताबिक मुरादाबाद निवासी रजत चौधरी चकबंदी कार्यालय फरीदपुर में पेशकार है। तहसील क्षेत्र के गांव पदारतपुर निवासी आदिल ने पेशकार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत की थी। पेशकार रजत चौधरी पर 15 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगाया। शिकायत पर एंटी करप्शन की टीम ने पेशकार को रंगेहाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया। शिकायतकर्ता आदिल बृहस्पतिवार को 15 हजार रुपये लेकर पेशकार के पास पहुंचा। जैसे ही पेशकार ने रुपये लिए। एंटी करप्शन की टीम ने उसे पकड़ लिया और बरेली ले आई।

भव्य श्रीमद्भागवत कथा एवं नव कुण्डीय सहस्त्रचण्ड़ी यज्ञ आज से होगा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। बाबा महाकाल सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में शुक्रवार 7 नवम्बर से 15 नवम्बरव तक दिव्य,आलौकिक नव कुण्डीय सहस्त्र चण्डी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन होने जा रहा है। भागवत व्यास आचार्य रमाकान्त दीक्षित ने आयोजन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कार्यक्रम 7 नवम्बर 2025 सुबह 10.30 बजे कलश यात्रा से शुरू हो जायेंगे। कार्यक्रम स्थल कृष्णा नगर कालौनी, निकट काशीनाथ लॉज, दुर्गा नगर, बरेली है। प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए शक्ति उपासक कथा व्यास आचार्य रमाकांत दीक्षित ने बताया कि 7 नवम्बर सुबह 10.30 बजे से भव्य कलश यात्रा बैंड बाजे के साथ निकाली जायेगी तदोपरांत दोपहर 1 बजे मंत्रोच्चारण के साथ अरणी मंथन द्वारा दिव्य अग्नि प्रकट कर यज्ञ का शुभारम्भ किया जायेगा। आचार्य जी ने बताया कि सहस्त्रचण्ड़ी यज्ञ राजराजेश्वरी माता चण्डी को प्रसन्न करने के लिए किया जाता है शास्त्रों में इसको षट्कर्म को सिद्ध करने वाला,अकल्पनीय भोग्य पदार्थों, यश, वैभव, धन धान्य प्रदाता बताया गया है। यज्ञ रोजाना सुबह 8 बजे से 1 बजे तक चलेगा। श्रीमद् भागवत कथा का समय शाम 4 बजे से 7 बजे तक रहेगा। इस दिव्य महायज्ञ में सवा क्विंटल हवन सामग्री व 3 क्विंटल आम की समिधा का प्रतिदिन प्रयोग किया जायेगा। प्रेसवार्ता के दौरान अजय राज शर्मा, दीपेश अग्रवाल, मीडिया प्रभारी एडवोकेट हर्ष कुमार अग्रवाल, संजय शर्मा, गरिमा कमाण्डो, (सभासद), अरूण शुक्ला, विजय कमाण्डो, प्रवीन अग्रवाल, अनुराग अवस्थी, मनोज मिश्रा, सचिन शर्मा, विवेक मित्तल,विमल पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

एमजेपी का एशिया और दक्षिण एशिया में बजा ढंका, रैंकिंग हासिल कर रचा इतिहास

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग एजेंसी की एशियन यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में एशिया स्तर पर 901-950 और दक्षिण एशिया स्तर पर 297वीं रैंक प्राप्त की है। यह रैंकिंग विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और शोधकार्यों में निरंतर प्रगति का प्रमाण है रैंकिंग में एशिया के विभिन्न देशों के साथ भारत के लगभग 294 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभाग किया था, जिनमें से रुविवि ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर एशिया के शीर्ष 1000 विश्वविद्यालयों में स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय ने स्टाफ विद पीएचडी में 94.5 अंक और 179 वीं रैंक प्राप्त की है, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं एक्सचेंज स्टूडेंट मानक में 57.2 अंक, इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क में 33.3 अंक, पेपर प्रति फैकल्टी में 14.4 अंक, उद्धरण प्रति पेपर में 18.4 अंक और विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात में 15.7 अंक प्राप्त किए हैं। कुल औसत स्कोर 17.5 अंक रहा है। विश्वविद्यालय ने विशेष रूप से शोधगुणवत्ता, फैकल्टी योग्यता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। विश्वविद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि को सामूहिक परिश्रम, नवाचार पूर्ण शोध दृष्टिकोण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के निरंतर प्रयासों का परिणाम बताया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के निरंतर समर्पण का परिणाम है। हमें गर्व है कि रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने एशियाई स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बनाई है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बीएलओ ने घर-घर पहुँचकर बांटे गणना फॉर्म, मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी, ब्यूरो। जिले में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के तहत मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) अभियान की कार्यवाही तेजी से जारी है। इस क्रम में गुरुवार, 7 नवम्बर को जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) ने अपने-अपने मतदान केन्द्रों से जुड़ी बस्तियों में घर-घर पहुँचकर मतदाताओं को गणना फॉर्म वितरित किए। बीएलओ द्वारा नागरिकों को फॉर्म भरने में आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा रहा है ताकि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सही रूप से दर्ज हो सके। साथ ही वर्ष 2003 की विशेष पुनरीक्षित मतदाता सूची से मैपिंग कार्य भी किया जा रहा है, जिससे मतदाता विवरणों की सटीकता सुनिश्चित हो सके। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे बीएलओ द्वारा दिए जा रहे गणना पत्रक में सही और पूर्ण जानकारी भरें। यदि किसी को फॉर्म भरने में कठिनाई हो, तो वे अपने बीएलओ से आवश्यक सहयोग प्राप्त करें। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, गणना फॉर्म का वितरण, भरवाने एवं सत्यापन कार्य 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2025 तक किया जाएगा। इस अवधि में बीएलओ घर-घर जाकर फॉर्म वितरित करने के साथ ही भरे हुए फॉर्म का संग्रहण भी करेंगे।

एक माह से फरार दो आरोपी गिरफ्तार – अवैध शराब कारोबार पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी, ब्यूरो। जिले में अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस चौकी खोड़ थाना भौंती की टीम ने अवैध शराब प्रकरण में एक माह से फरार चल रहे दो आरोपियों – जीतेन्द्र राय एवं विकास राय, दोनों निवासी ग्राम बीरा – को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले तथा एसडीओपी श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए यह कार्रवाई की गई। दिनांक 30 सितम्बर 2025 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम बीरा में दो व्यक्ति देशी प्लेन शराब की पेटियों को बेचने के लिए खड़े हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहाँ आरोपी पुलिस को देखकर फरार हो गए। तलाशी के दौरान एक पुराने खंडहर से 05 पेटियां देशी प्लेन शराब और 24 ब्लैक पोर्ट बीयर की केन बरामद की गईं। इस मामले में आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। आज, दिनांक 06 नवम्बर को पुनः मुखबिर से सूचना प्राप्त होने पर पुलिस ने वीरा-खेरोना तिराहा पर घेराबंदी कर दोनों फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद दोनों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज राजपूत, उनि कुसुम गोयल (चौकी प्रभारी खोड़), सउनि सरदार सिंह चौहान, सउनि मुनेन्द्र सिंह भदौरिया, प्रआर रविन्द्र सिंह बुंदेला, आर रविकांत शर्मा, आर वीरेन्द्र वाथम, तथा सैनिक भागीरथ, हनुमंत सिंह और निकिल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

महंत के अंतिम संस्कार में आई बड़ी समस्या, गांव के शमशान घाट पर नहीं है अंतिम संस्कार करने की व्यवस्था

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा नहर किनारे किया गया महंत जी का अंतिम संस्कार कोंच(जालौन) कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम छानी में एक बड़ा परेशान करने वाला मामला सामने आया है गांव में मृत लोगों के अंतिम संस्कार करने के लिये एक श्मशान घाट बना है लेकिन वह बुरी हालत में है और वहां पर बीते समय हुई बरसात के कारण इस श्मशान घाट पर के आस पास अधिकतर जगह में पानी भरा है और दल दल की स्थिति है आज बड़ी शर्मनाक घटना की जानकारी मिली है यहां इस छानी गांव में स्थित मां संकट मोचनी मंदिर बना है जिसके महंत राम सेवक दास जी महाराज उर्फ दद्दू बाबा है जिनकी कल वहीं पर अचानक हृदय गति रुक जाने के कारण मृत्यु हो गई जिनके अंतिम संस्कार को लेकर तैयारी हुई और अंतिम यात्रा श्मशान घाट पहुंची लेकिन इस श्मशान घाट की स्थिति बहुत ही खराब थी वहां पर बारिश के चलते पानी भर गया और उस वहां दल दल की स्थिति बन गई और ऐसी स्थिति में महंत जी का वहां अंतिम संस्कार क्रिया कर्म नहीं हो पाया जिस से अंतिम यात्रा नहर के किनारे की तरफ मोड़ दी गई और नहर किनारे मजबूरी वश महंत जी का विधि विधान से अंतिम संस्कार किया गया गांव के लोग इस श्मशान घाट की व्यवस्था के चलते काफी आक्रोशित दिखे इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए शिक्षक नेता राम शंकर छानी ने बताया है कि इतनी शर्म की बात है कि गांव में स्थित एक श्मशान घाट की खराब स्थिति है और मृत लोगों के अंतिम संस्कार करने के लिये पीड़ित परिवारों को इधर उधर जाना पड़ रहा है श्मशान घाट में जल भराव की समस्या से लोग अंतिम संस्कार नहीं कर पा रहे है उन्होंने कहा कि प्रशासन को इस समस्या पर अपना ध्यान लगाना होगा ताकि यह समस्या ठीक की जा सके बता दे कि बीते माह भी इस श्मशान घाट पर एक व्यक्ति की मौत होने पर भी उसका अंतिम संस्कार भी दूसरी जगह पर करना पड़ा था यह श्मशान घाट की स्थिति बीते चार पांच महीने से खराब है लेकिन अभी तक इस श्मशान घाट की खराब व्यवस्था सुधारी नहीं जा सकी है फिलहाल लोगों में इस रोष देखा गया है

उत्तर प्रदेश में शुरू होने जा रहे हैं मतदाता पुनर्निरीक्षण एस आई आर के लिए कांग्रेस पार्टी ने शामली कैराना थाना भवन विधानसभा के लिए ओमप्रकाश शर्मा रविंदर आर्य को समन्वयक नियुक्त किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली उत्तर प्रदेश में शुरू होने जा रहे मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए कांग्रेस पार्टी ने शामली जनपद की कैराना और थानाभवन विधानसभा के लिए ओमप्रकाश शर्मा और रविंद्र आर्य को शामली विधानसभा के लिए समन्वयक नियुक्त किया है। भारत निर्वाचन आयोग ने देश के विभिन्न राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया शुरू की है जिसमें उत्तर प्रदेश में भी एसआईआर शुरू होने जा रहा है। निर्वाचन आयोग के आदेश पर जिला प्रशासन द्वारा अपने बीएसओ नियुक्त किए हैं जो घर-घर जाकर मतदाता पुनरीक्षण करेंगे। इसके अलावा राजनीतिक दलों ने भी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में अपने कोर्डिनेटर नियुक्त किए हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य व सहारनपुर शहर कोर्डिनेटर ओमप्रकाश को कैराना व थानाभवन विधानसभा के लिए एसआईआर कोर्डिनेटर नियुक्त गया है। ओमप्रकाश शर्मा ने बाबू खान को थानाभवन और अमित डिंपल शर्मा को कैराना विधानसभा पर सहायक समन्वयक नियुक्त किया है। वहीं रविंद आर्य को शामली विधानसभा के लिए एसआईआर कोर्डिनेटर बनाया गया है। रविंद्र आर्य ने पूर्व शहर अध्यक्ष वैभव गर्ग व ओमबीर उपाध्याय को अपना सहायक समन्वयक बनाया है। राजनीति पार्टी के एसआईआर कोर्डिनेटर प्रशासनिक बीएसओ के साथ मिलकर एसआईआर की प्रक्रिया को पूर्ण करने का काम करेंगे और किसी भी प्रकार की त्रुटि को संशोधन कराने का कार्य करेंगे।

कोदो मिसाइल करते समय चार बैल बेहोश, बुजुर्ग बोले – फसल में जहरीले कीड़ों का असर, क्षेत्र में कई बार हो चुकी हैं ऐसी घटनाएँ

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के खोहीर गाँव में गुरुवार को कोदो मिसाइल करते समय एक गंभीर घटना सामने आई। किसान लोकनाथ सिंह के चार बैल अचानक बेहोशी हालत में खेत में गिर पड़े। किसान अपनी तैयार फसल को बैलों से मिसाइल करा रहा था, तभी बैलों में नशे जैसे लक्षण दिखाई देने लगे और वे एक-एक कर जमीन पर गिर पड़े। ग्रामीणों द्वारा तुरंत पशु चिकित्सा विभाग को सूचना दी गई, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंचकर उपचार कर रही है। समाचार लिखे जाने तक किसी बैल की मौत नहीं हुई है, लेकिन चारों की हालत गंभीर बनी हुई है। ग्रामीण बुजुर्गों ने बताया कि कोदो की फसल में किसी भी प्रकार का कीटनाशक उपयोग नहीं किया जाता, बल्कि कोदो के पौधों और दानों पर पाए जाने वाले जहरीले कीड़े ही इसे विषैला बना देते हैं। इनके संपर्क में आने या खाने से बैल सहित अन्य पशु नशे जैसी स्थिति में पहुंच जाते हैं। इसी कारण ग्रामीण बचाव के तौर पर कई बार कोदो के दाने और परावत को आग लगाकर नष्ट करने को मजबूर होते हैं। ग्रामीणों ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि यह कोई नई समस्या नहीं है। इससे पहले भी क्षेत्र में कई बड़ी घटनाएँ हो चुकी हैं। लगभग दो वर्ष पूर्व कोल्हुआ गाँव में चौकीदार राम जियावन पनिका के दो बैलों की मौत कोदो मिसाइल करने के तुरंत बाद हुई थी। तब भी ग्रामीणों ने पूरी फसल को आग लगाकर नष्ट किया था। वहीं कछिया गाँव के सूई पाहरा स्थान में तीन से चार वर्ष पहले आधा दर्जन जंगली हाथी कोदो फसल खाने से 8 से 10 घंटे तक बेहोशी हालत में पड़े रहे थे। उस समय वन विभाग, पशु विभाग और जिला प्रशासन की टीम रातभर जुटी रही और लगभग 10 से 12 घंटे के उपचार के बाद हाथी सुरक्षित अवस्था में लौट पाए थे। ऐसी ही घटना रसोंगी गाँव में भी सामने आई, जहाँ एक जंगली हाथी को बेहोशी में पाया गया और इलाज के बाद उसकी जान बचाई गई। इन लगातार होती घटनाओं से ग्रामीणों में भारी दहशत है। उनका कहना है कि यदि इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो किसानों और पशुओं को बड़ा नुकसान झेलना पड़ेगा। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से जहरीले कीड़ों की वैज्ञानिक जांच कर स्थायी उपाय करने की मांग की है। फिलहाल खोहीर गाँव में बेहोश चारों बैलों के इलाज पर नजर रखी जा रही है और किसान चिंतित हैं।

यातायात नियमों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए करें उसका पालन, सड़क सुरक्षा के उपायों को जीवनशैली में करें शामील- डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर।

क्यूँ न लिखूँ सच / जनता के सहयोग व जन जागरूकता से सड़क दुर्घटना में मृत्यु दर में आई कमी। सड़क दुर्घटना पीड़ितों ने बताए आप बीती, बोले जीवन सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का जरूर करें पालन। सफर के दौरान न करें जल्दबाजी, सिर की सुरक्षा के लिए लगाए हेलमेट। सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर सुगम सफर अभियान के तहत् जिले में यातायात सुरक्षा जन जागरूकता का महाअभियान 1 से 15 नवम्बर 2025 तक चलाया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में गुरूवार, 06 नवम्बर 2025 को बस स्टैण्ड विश्रामपुर में यातायात जन जागरूकता का आयोजन किया गया जहां सड़क दुर्घटना के पीड़ित परिवार व जनप्रतिनिधियों ने सड़क हादसों में अपनों को खोने की पीड़ा क्या होती है उसे साझा करते हुए लोगों से हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। डीआईजी व एसएसपी ने हेलमेट लगाकर बाईक चलाने वालों को गुलाब फूल देकर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि जब लोग हेलमेट लगाकर यातायात नियमों का पालन करेंगे तो हमें लोगों को जागरूकता करने की जरूरत नहीं होगी, सभी अपनी स्वयं की सुरक्षा के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट लगाए। आप विचार करें कि सफर के दौरान बिना हेलमेट के चलने पर सड़क दुर्घटना में किसी की मृत्यु होती है तो परिवार किस पीड़ा से गुजरता है, ऐसी किसी घटना की सूचना पर काफी दुख होता है, यातायात नियमों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए यातायात नियमों का पालन करें, सुरक्षा के उपायों को अपनाए, जिले की पुलिस जनता की सुरक्षा, सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए लगातार कार्य कर रही है। कार्यक्रम में नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राजेश यादव, नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह चौहान, गंगा ग्राम उत्थान समिति प्रदेश महामंत्री नरेन्द्र जैन, पार्षद अचना लकड़ा, संजीत सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित कर यातायात नियमों को अपनाते हुए सुरक्षित सफर करने का संदेश दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, नायब तहसीलदार मीना सिंह, थाना प्रभारी विश्रामपुर प्रकाश राठौर, थाना प्रभारी जयनगर रूपेश कुंतल, यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय, नपं शिवनंदनुपर पूर्व अध्यक्ष कृष्ण गोयल, नगर के गणमान्य नागरिकगण मौजूद रहे। जनता के सहयोग व जन जागरूकता से सड़क दुर्घटना में मृत्यु दर में आई कमी। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने बताया कि यातायात का भारी दबाव थाना सूरजपुर, विश्रामपुर, जयनगर, रामानुजनगर क्षेत्र में अधिक रहता है इसके बावजूद पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष सड़क दुर्घटना के मामलों में मृत्यु दर में 10 से 15 प्रतिशत की कमी आई है जिसका श्रेय आमजनता का सहयोग, यातायात जन जागरूकता के आयोजनों से संभव हुआ है और आगामी 2 माह में शेष थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर इसके प्रयास किए जायेंगे। सड़क दुर्घटना पीड़ित बोले जीवन सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का जरूर करें पालन। सूरजपुर पुलिस के जन जागरूकता के इस कार्यक्रम में सड़क दुर्घटना के पीड़िता समा परवीन ने बताया कि बाईक से पति के साथ मायके जाने के दौरान जल्दबाजी में पति हेलमेट नहीं लगाए और रास्ते में एक्सीडेंट होने के कारण पति को सिर में काफी चोट लगी, 2 माह उपचार के बाद भी ठीक नहीं हुए और उनकी मृत्यु हो गई। मुखिया के जाने का काफी दुख तो है ही और घर परिवार को काफी कठिनाईयां उठानी पड़ रही है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कितनी भी जल्दबाजी हो यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट जरूर लगाए और सुरक्षित अपने मंजील तक पहुंचे। ग्राम जमदेई निवासी लीलू गुप्ता ने बिलासपुर जाने के दौरान बस दुर्घटना तथा प्रेमचंद सिंह ने बिहार कार से जाने के दौरान सड़क दुर्घटना के बारे में जानकारी साझा बताया कि

प्रदेश सरकार निर्यात प्रोत्साहन के लिए निर्यातकों को दे रही है सहायता

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / किसी भी देश का विकास उसकी औद्योगिक प्रगति के साथ-साथ उस देश की उत्पादित वस्तुओं को वैश्विक स्तर पर निर्यात किये जाने से होता है। वैश्विक स्तर के मानक और गुणवत्तायुक्त वस्तुओं की माँग की आपूर्ति करने से विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है जिससे देश समृद्ध होता है। निर्यात प्रोत्साहन एक सरकारी नीति होती है, जो निर्यातकों को प्रोत्साहित करते है, ताकि वे अधिक से अधिक सम्बन्धित वस्तुओं को निर्यात सकें और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सके। निर्यातकों को मिले प्रोत्साहन से वे विश्व बाजार में देश की वस्तुओं को निर्धारित मूल्य पर आपूर्ति करते है, जिससे देश को विदेशी मुद्रा मिलती है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश से निर्यात को बढ़ावा दिए जाने के लिए प्रत्येक जनपद की स्थानीय निर्यात सम्भावनाओं को एक्सप्लोर करते हुए अधिकतम सदुपयोग, स्थानीय रोजगार सृजन सकारात्मक उद्योग / निर्यात अनुकूल वातावरण सृजन किया जा रहा है। उद्यमियों को आवश्यक अवस्थापना, लॉजिस्टिक, वित्त पोषण व अन्य सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु प्रत्येक जनपद को पोटेशियल एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित करने हेतु समस्त 75 जनपदों में व्यापक अध्ययन व स्टेक होल्डर्स कन्सलटेशन के माध्यम से सम्बन्धित जिला निर्यात प्रोत्साहन समिति द्वारा अनुमोदित जिला निर्यात कार्य योजना के क्रियान्वयन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। प्रदेश में जिला निर्यात प्रोत्साहन समिति की नियमित बैठकों के माध्यम से प्रत्येक जनपद के निर्यातकों की आवश्यकतानुसार आवश्यक प्रोत्साहन हैण्ड होल्डिंग सपोर्ट प्रदान किया जा रहा है। निर्यातकों की समस्याओं के सुनिश्चित समाधान हेतु संयुक्त महानिदेशक विदेश व्यापार निदेशालय व भारत सरकार के अन्य सम्बन्धित अधिकारियों के साथ नियमित संवाद के माध्यम से कार्यवाही सुनिश्चित की जाती है। इस हेतु प्रत्येक कार्यालय में निर्यातकों के लिए हेल्प डेस्क की स्थापना भी की गयी है। प्रदेश में विपणन विकास सहायता योजना तथा गेटवेपोर्ट तक निर्यात हेतु भेजे गये माल भाड़े पर अनुदान व वायुयान भाडा युक्तिकरण योजनाओं का सरलीकरण व तार्किकीकरण करते हुए पूर्णत: आनलाईन व पारदर्शी बनाया गया है। टाइज योजनान्तर्गत जनपद लखनऊ में भारत सरकार के सहयोग से ट्रेड प्रमोशन सेंटर की स्थापना भी की जा रही है। निर्यात अवस्थापना विकास योजनान्तर्गत विभिन्न जनपदों में सामान्य सुविधा केंद्र प्रकृति की निर्यात परक अवस्थापना सुविधाओं यथा टेस्टिंग लैब, डिजाइन/पैकेजिंग लेबलिंग स्किल डेवलपमेंट/ डिसप्ले सेन्टर के विकास हेतु जनपदों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के हस्तशिल्पियों, उद्यमियों व निर्यातकों को एक प्रभावी मार्केटिंग प्लेटफार्म उपलब्ध कराते हुए प्रदेश से ट्रेड, बिजनेस व निर्यात को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लि0 (IEML) के सहआयोजन में दिनांक 25 से 29 सितम्बर 2024 के मध्य इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लि0, ग्रेटर नोएडा में P International Trade Show (UPITS-2024) द्वितीय संस्करण का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के 2000 उद्यमियों द्वारा अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इस ट्रेड शो में प्रदेश के नवोदित निर्यातकों को भी सब्सिडाइज्ड दरों पर स्टाल उपलब्ध कराए गए जहां 70 से अधिक देशों, के 500 से अधिक ओवरसीज बायर्स के साथ उनका सीधा संवाद व सम्पर्क स्थापित हुआ, आर्डर्स प्राप्त हुए तथा विदेशी बाजार के रुझाने व आवश्यकताओं का फस्ट हैण्ड एक्सपीरियंस प्राप्त हुआ। इस ट्रेड शो में फियों के सहयोग से आयोजित सेमिनार में प्रतिभागी निर्यातकों को लॉजिस्टिक से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गयी। इसी श्रृंखला में 30 नवम्बर से 01 दिसम्बर 2024 के मध्य गोरखपुर में गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण के तत्वाधान में गोरखपुर ट्रेड शो का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों के 52 निर्यातकों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त हुआ। निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए दिनांक 26 से 29 फरवरी 2024 के मध्य वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के तत्ववाधान में भारत मण्डपम, प्रगति मैदान व यशोभूमि द्वारिका, नई दिल्ली में इंटरनेशनल ट्रेड शो भारत टेक्स-2024 का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश ने पार्टनर स्टेट के रूप में प्रतिभाग किया। भारत मण्डपम प्रगति मैदान स्थित यूपी पवेलियन में कुल 46 वस्त्र निर्यातक इकाईयों को 50 स्टॉल उपलब्ध कराए गए जहां उनको बी2बी आयोजन में विभिन्न देशों से आए ओवरसीज बायर्स से सीधे सम्पर्क में आने का अवसर प्राप्त हुआ। यशोभूमि द्वारिका स्थित यूपी पवेलियन में प्रदेश के हैण्डीक्राफ्ट व कारपेट सेक्टर की 20 निर्यातक इकाईयों द्वारा अपने उत्पादों का प्रदर्शन बी2बी व बी 2 सी आयोजन में किया गया।

संक्षिप्त समाचार

युवक की दो लोगों ने की मारपीट

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन) कोतवाली क्षेत्र के तिलक नगर इलाके में भुजरया चौराहा पर मंगलवार और बुधवार रात मे कोंच कोतवाली क्षेत्र के तिलक नगर निवासी नासिर खां ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि मैं मध्य रात्रि दुकान पर बैठकर समोसे खा रहा था, इसी दौरान दो लोग आए और मुझे गालियां देने लगे, जब मैंने गालियां देने से मना किया तो दोनों लोगों ने ईट-पत्थरों से मेरे साथ मारपीट कर दी, जिससे मैं गंभीर रूप से घायल हो गया, वहीं सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोच में भर्ती कराया और उसका मेडिकल परीक्षण कराकर मारपीट करने वाले दोनों लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अकराबाद पुलिस टीम अवैध तमंचा सहित गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ थाना अकराबाद पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त वीकेश पुत्र बाबूलाल निवासी जल्लूपुर सिहोर थाना अकराबाद जनपद अलीगढ़ को मय एक अवैध तमंचा 315 बोर सहित सिहोर बम्बा विजयगढ़ मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के आधार पर थाना पर मु0अ0सं0-526/25 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया गिरफ्तार अभियुक्त- वीकेश पुत्र बाबूलाल निवासी जल्लूपुर सिहोर थाना अकराबाद जनपद अलीगढ़ बरामदगी का विवरण- एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर गिरफ्तारी का स्थान- सिहोर बम्बा विजयगढ़ मोड़ के पास से गिरफ्तार करने वाली पलिस टीम 1. उ0नि0 श्री आबिद कुरैशी थाना अकराबाद अलीगढ़ 2. उ0नि0 श्री अनिल कुमार थाना अकराबाद अलीगढ़ 3. हे0का0 विकास यादव थाना अकराबाद अलीगढ़

यातायात माह के दृष्टिगत छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत पुलिस अधीक्षक महोदय पीलीभीत के निर्देशन में यातायात माह के दृष्टिगत छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु नत्था देवी स्मारक इण्टर कालेज बीसलपुर रोड़ रुपपुर कृपा, पीलीभीत में यातायात पुलिस द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया, छात्र-छात्राओं से यातायात नियमों का सदैव पालन करने हेतु अनुरोध किया गया। इसके अतिरिक्त डग्गामार वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत सड़क पर अवैध रूप से संचालित, अधिक सवारी बैठाकर चलने वाले तथा नियमों की अनदेखी करने वाले वाहनों के विरुद्ध चेकिंग कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। जिसमें यातायात पुलिस टीम द्वारा जनपद के प्रमुख मार्गों, बस अड्डों व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से अतिक्रमण हटवाते हुए विशेष चेकिंग अभियान में 14 डग्गामार वाहनों सहित 70 वाहनों के चालान करते हुए कुल 83,500/- शमन शुल्क अधिरोपित किया गया साथ ही यातायात पुलिस द्वारा जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया है।

जिले में निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत घर-घर जाकर मतदाताओं का किया जा रहा सत्यापन

क्यूँ न लिखूँ सच / भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य 4 नवम्बर से प्रारंभ हो गया है। इस कार्य के अंतर्गत बूथ लेवल अधिकारी

द्वारा जिले के सभी पंजीकृत मतदाताओं का घर-घर जाकर सत्यापन किया जा रहा है। यह प्रक्रिया 4 दिसंबर तक चलेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन में समस्त बी.एल.ओ. को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। बी.एल.ओ. अपने-अपने प्रभार क्षेत्र में जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और गणना पत्रक भरवाने के साथ-साथ नए एवं भावी मतदाताओं से फार्म-6 भरवाकर नाम जोड़ने का कार्य भी कर रहे हैं। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जगन्नाथ वर्मा ने बताया कि जिले के सभी तहसील और जिला स्तर पर हेल्प डेस्क एवं आईटी डेस्क की स्थापना की गई है, जहां उपस्थित मास्टर ट्रेनर्स मतदाताओं को नाम जोड़ने, संशोधन और विलोपन संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान कर रहे हैं। साथ ही, टोल फ्री नंबर 1950 के माध्यम से भी मतदाता अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान वर्तमान मतदाता सूची 2025 के साथ-साथ पूर्व में वर्ष 2003 में किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण के मतदाताओं का भी सत्यापन किया जा रहा है। मतदाता निर्वाचन आयोग की वेबसाइट www.voters.eci.gov.in पर जाकर स्वयं भी अपने विवरण की जांच कर सकते हैं और ऑनलाइन गणना पत्रक भरकर पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। बी.एल.ओ. की सहायता के लिए वॉलेंटियर्स की नियुक्ति किया गया है। आयोग के निर्देशानुसार राजनीतिक दलों द्वारा मतदान केन्द्रों हेतु नियुक्त बूथ लेवल एजेण्ट को भी प्रशिक्षित किया गया है, जिससे पुनरीक्षण कार्य को सटीक, पारदर्शी और समयबद्ध रूप से पूरा किया जा सके।

जनजातीय गौरव पखवाड़ा अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड में प्रतियोगिताओं का किया जा रहा है आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / भारत सरकार द्वारा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को ''जनजातीय गौरव दिवस'' घोषित किया गया है। जिसके अनुसार 01 नवंबर से 15 नवंबर तक समस्त स्कूलों में ''जनजातीय गौरव पखवाड़ा'' मनाते हुए विभिन्न

कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अनुरूप जिले के प्रत्येक विकासखण्ड के स्कूलों में एकल एवं नृत्य प्रतियोगिता, नाटक, मॉडल मेकिंग का निर्माण किया गया। राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, रायपुर (छ0ग0) के निर्देशानुसार इस कार्यक्रम में जनजातीय गौरव पखवाड़ा और भारतीय समाज एवं विरासत में आदिवासियों के योगदान पर जश्न मनाया जा रहा है।

07 दिसंबर को होगी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर/ जिले में 07 दिसंबर को बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर प्रशासन ने निर्देश दिए हैं कि ''उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम'' को विभाग की प्रत्येक बैठक में एक प्रमुख एजेंडा के रूप में शामिल किया जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनवाड़ी केंद्रों को साक्षरता अभियान से जोड़ते हुए कार्यकर्ताओं के माध्यम से गांव-गांव में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक असाक्षर व्यक्तियों को साक्षरता केंद्रों तक लाया जा सके और वे आगामी 07 दिसंबर को होने वाली मूल्यांकन परीक्षा में शामिल हो सकें।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 964 जोड़ों ने लिए सात फेरे - जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने दिया आशीर्वाद

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ जनपद के नवीन गल्ला मंडी, कालपी रोड उरई में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत भव्य समारोह में 964 जोड़ों संपन्न हुआ। समारोह में प्रशासनिक अधिकारियों ने देकर उनके सुखद व उज्ज्वल पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम रमा निरंजन, सदर विधायक विधायक मूलचंद्र निरंजन, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि शिक्षक प्रतिनिधि मयंक त्रिपाठी, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं

का विवाह हर्षोल्लास के साथ जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद भविष्य की कामना की। जिला अनुरागी, विधान परिषद सदस्य गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, अरविंद चौहान, एमएलसी जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाणपत्र वितरित किए और उनके मंगलमय जीवन की शुभकामनाएँ दीं। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समाज के अंतिम छोर तक पहुँच रही है। यह योजना न केवल गरीब परिवारों के लिए आर्थिक सहयोग का माध्यम है, बल्कि समाज में सामाजिक समरसता व सद्भाव का सशक्त उदाहरण भी है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी धर्मों व समुदायों के बीच एकता और भाईचारे का संदेश दिया जा रहा है। विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक तरीके से सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में समानता, सहयोग और सौहार्द को सुदृढ़ करते हैं। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि यह योजना गरीब परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इससे न केवल आर्थिक बोझ कम होता है, बल्कि समाज में बेटियों के सम्मान को भी नई ऊँचाई मिलती है। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें शिक्षा व रोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। माधौगढ़ विधायक मूलचंद्र निरंजन ने कहा कि पहले गरीब परिवारों के लिए बेटियों का विवाह कराना कठिन कार्य होता था और कई बार उन्हें कर्ज लेना पड़ता था। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ने उस चिंता को समाप्त कर दिया है। आज सभी धर्मों व समुदायों की परंपराओं का सम्मान करते हुए विवाह संपन्न कराए जा रहे हैं। कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि इस योजना ने सामाजिक समानता की भावना को सशक्त किया है। इससे समाज में भेदभाव मिटाकर एकता का वातावरण बन रहा है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए सतत प्रयत्नशील है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग देना है। उन्होंने बताया कि अब योजना की सहायता राशि ?51,000 से बढ़ाकर ?1,00,000 प्रति जोड़ा कर दी गई है। इसमें ?60,000 की धनराशि डीबीटी के माध्यम से सीधे कन्या के खाते में, ?25,000 विवाह सामग्री (वस्त्र, बर्तन, फर्नीचर आदि) पर तथा ?15,000 विवाह आयोजन की व्यवस्थाओं (टेंट, भोजन आदि) पर व्यय की जाती है। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि समाज में सामाजिक एकता और सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ कर रही है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएँ दीं और उनके सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की।

आईटीआई बिहारपुर में पढ़ाई ठप, छात्रों का भविष्य अधर में

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। बिहारपुर में संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) की स्थिति बेहद चिंताजनक है। लगभग एक वर्ष से संस्थान में न तो कक्षाएँ नियमित हो रही हैं और न ही प्रायोगिक प्रशिक्षण। इससे यहाँ पढ़ाई कर रहे छात्रों का भविष्य अंधकार में जा रहा है। प्राचार्य का स्थानांतरण होने के बाद अब तक किसी नए प्राचार्य ने कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। प्रशिक्षकों की उपस्थिति भी अनियमित है। जिसके कारण छात्र रोजाना संस्था पहुँचते हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाई नहीं मिल पाती। तकनीकी शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा प्रैक्टिकल है, लेकिन वर्कशॉप लगातार बंद पड़ी है। छात्रों ने बताया कि उन्होंने समय रहते प्रवेश लिया, फीस जमा की, लेकिन पढ़ाई समय से शुरू नहीं हुई। पिछले सत्र

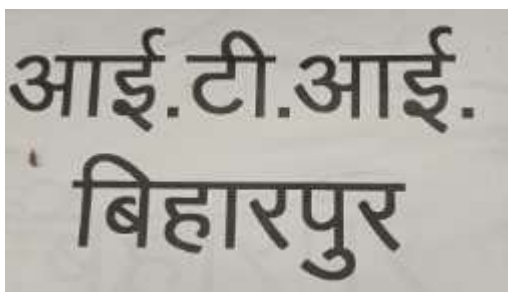

की पढ़ाई अधूरी रह गई और अब नए सत्र में भी वही स्थिति बनी हुई है। छात्र राहुल ने कहा कि हम रोज पढ़ने आते हैं लेकिन कक्षा नहीं लगती। कोई बताने वाला नहीं कि पढ़ाई कब शुरू होगी। छात्रा पूनम ने कहा, प्रैक्टिकल नहीं होने से हम परीक्षा कैसे दें? हमारा साल खराब हो रहा है। अमिता का कहना है कि सरकार ने रोजगार के लिए आईटीआई खोली है, लेकिन पढ़ाई ही नहीं होगी तो नौकरी कहाँ मिलेगी। वहीं अंशु ने बताया कि कई बार शिकायत की गई, लेकिन अधिकारी सिर्फ आश्वासन देते हैं। अभिभावकों और ग्रामीणों का कहना है कि बिहारपुर जैसे दूरस्थ इलाके में युवाओं को तकनीकी शिक्षा का यह एकमात्र बड़ा मौका मिलता है। संस्थान की उपेक्षा से युवाओं के सपने टूट रहे हैं और वे बेरोजगारी की ओर धकेले जा रहे हैं। छात्रों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्राचार्य की नियुक्ति की जाए, प्रशिक्षकों की पूरी व्यवस्था की जाए और वर्कशॉप को फिर से शुरू किया जाए, ताकि उनका कीमती समय और भविष्य दोनों सुरक्षित रह सकें।

लोक निर्माण विभाग सूरजपुर द्वारा विभिन्न सड़कों पर बीटी पैच रिपेयर कार्य तेजी से जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर/ जिला सूरजपुर में लोक निर्माण विभाग (भ/सं) संभाग सूरजपुर द्वारा विभिन्न सड़कों पर बीटी पैच रिपेयर कार्य तेजी से जारी है। कुल 260.55 किलोमीटर लंबाई के इन कार्यों के लिए 699.53 लाख रूपय की राशि स्वीकृत की गई है। विभागीय जानकारी के अनुसार, अब तक 10.20 किलोमीटर सड़क मरम्मत कार्य पूरा किया जा चुका

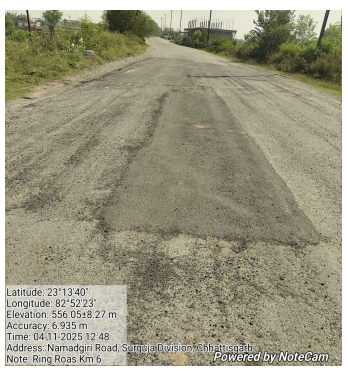

है। इनमें बिशुनपुर-सूरजपुर- भैयाथान मार्ग में 3.00 किमी, सूरजपुर रिंग रोड में 6.20 किमी, तथा कल्याणपुर-लटोरी-दतिमा-सलका मार्ग में 1.00 किमी का बीटी पैच रिपेयर कार्य 5 नवंबर 2025 तक पूर्ण कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि शेष सड़कों पर कार्य तेजी से प्रगति पर है और सभी मरम्मत कार्यों को दिसंबर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस मरम्मत कार्य के पूरा होने से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा तथा स्थानीय नागरिकों को बड़ी

अस्वस्थ वृद्धा श्रीमती हुलासो बाई को समाज कल्याण विभाग सूरजपुर ने भेजा रायगढ़ स्थित प्रसामक गृह

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर/ समाज कल्याण विभाग सूरजपुर द्वारा वृद्ध महिला श्रीमती हुलासो बाई, पति स्व. रंजन, निवासी ग्राम अजबनगर के अत्यंत वृद्धावस्था एवं अस्वस्थ स्थिति को देखते हुए समुचित देखभाल हेतु रायगढ़ स्थित प्रसामक गृह में भेजा गया है। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूर्व में भेजे गए वृद्ध व्यक्ति श्री शंकर, निवासी भटगांव, सूरजपुर को रायगढ़ प्रसामक गृह से वापस लाकर वृद्धाश्रम सूरजपुर में दाखिल कराया गया है। संबंधित प्रकरण पर

सखी वन स्टॉप सेंटर सूरजपुर द्वारा जानकारी दी गई थी कि श्रीमती हुलासो बाई मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं तथा उनके परिजन उनके साथ नहीं हैं। महिला की समुचित देखभाल एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई तथा एक नर्स एवं महिला आरक्षक की उपस्थिति में उन्हें रायगढ़ के प्रसामक गृह भेजा गया।

संक्षिप्त समाचार

मतदाता सूची विशेष गहन निरीक्षण (SIR) कार्यक्रम की मंडल कार्यशाला संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / अनुपम कुमार द्विवेदी /सिंगरौली /चितरंगी । आज मंडल चितरंगी में मतदाता सूची विशेष गहन निरीक्षण (स्ढ्ढक्र) कार्यक्रम के अंतर्गत मंडल कार्यशाला का आयोजन

संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मंत्री श्रीमती राधा सिंह जी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में जिले के उपाध्यक्ष एवं BLA-1 प्रभारी श्री सुरेन्द्र वैश्य जी, मंडल अध्यक्ष श्री अजय द्विवेदी जी, पूर्व पदाधिकारी श्री प्रवेंद्र द्विवेदी जी, धर द्विवेदी जी, श्री रमाशंकर पाठक जी, श्री शंकराचार्य पाठक जी सहित अन्य गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंडल के सभी पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, BLA-2 प्रतिनिधि तथा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यशाला में मतदाता सूची के विशेष गहन निरीक्षण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अबीर गुलाल उड़ाते निकली कलश यात्रा श्रीमद् भागवत का शुभारंभ किया ,(ठाकुर गोपाल सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ-गांव पनैठी में अबीर गुलाल की बौछार के बीच महिलाओ व पुरुषों ने कलश यात्रा निकाली भागवत कथा क ा शुभारंभकिया कलश यात्रा में निशा कुमारी कविता कुमारी विमलेश लवली राखी संध्या दुर्गेश काजल अंजू चंचल गुंजन छवि मनीषा

प्रियंका विशाखा काजल ठाकुर मुख्य अतिथि ठाकुर गोपाल सिंह पूर्वजिला अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता व्यापार मंडल अध्यक्ष अंशुल ठाकुर गिरीश ठाकुर गजेंद्र ठाकुर लव कुश ठाकुर पुष्पेंद्र ठाकुर परीक्षित महाराज अनिल सरिता सिंह कथा,वाचक, दिनेश चंद्र शास्त्री वीरेश कुमार भागवत वाले नरसी ढोलक वाले, मुनेश चीमटा, राहुल डीजे वाले आशीष कुमार , भानु ठाकुर भूरा ठाकुर अमित ठाकुर लक्ष्य विकास ठाकुर श्याम ठाकुर मयंक ठाकुर निशु गुप्ता जीतू ठाकुर समस्त ग्रामवासी, पनैठी

भूमि के विवाद में महिला को पीटा

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ हरदुआगंज। जारोठी गांव की सुलोचना पत्नी राजकुमार ने अपनी चचिया सास व उनकी बेटियों और बेटों पर पीटने का आरोप लगाया है। रिपोर्ट दर्ज कराते हुए महिला ने बताया है कि राजकुमारी उनकी बेटियां सुषमा, अखिलेश ने भूमि के विवाद में उससे गाली गलौज की। विरोध करने पर उसे पीटा। पीड़िता का आरोप है कि उसके बेटे विवेक और राहुल भी उससे गाली-गलौज करते हैं। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

ससुराल वालों पर दर्ज कराया मुकदमा

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ हरदुआगंज। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पति समेत ससुराल पक्ष के 11 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। महिला ने बताया कि नौ माह पहले उसकी शादी आगरा निवासी युवक के साथ हुई थी। पति व ससुराल वाले दहेज में नई कार की मांग करते हुए उसका उत्पीड़न करने लगे। छह अक्तूबर आरोपियों ने गला घोटकर उसे जान से मारने का प्रयास किया। उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की कोशिश की गई। घटना बरामदे में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। थाना पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Children Can Also Be Victims of Brain Stroke: Know the Causes and Prevention Methods

A brain stroke occurs when the blood flow to the brain is suddenly interrupted. This prevents oxygen from reaching the brain cells, and they begin to get damaged within minutes. Stroke is one of the leading causes of death worldwide, along with cancer and heart disease. According to the World Health Organization (WHO), approximately 17 million people suffer from strokes every year, of which about 6 million die. In India too, this number is increasing rapidly; one person suffers a stroke every four minutes. Stroke has traditionally been considered a problem of the elderly, although in recent years young adults are also becoming victims. When it comes to strokes at a young age, many questions arise. Do children also get strokes? This question is quite common. Let's understand more about it. First, let's understand what a brain stroke is. A brain stroke occurs when the blood flow to the brain is suddenly interrupted. This prevents oxygen from reaching the brain cells, and they begin to get damaged within minutes. There are mainly two types of strokes: Ischemic stroke, in which a blood clot blocks an artery in the brain, preventing blood from reaching the brain; and hemorrhagic stroke, in which a blood vessel in the brain ruptures, causing bleeding in the brain. This is caused by a sudden and significant increase in blood pressure. Brain strokes are life-threatening, and those who survive them are at a higher risk of paralysis. Can children also have a brain stroke? Health experts say that although cases of brain stroke are more commonly seen in the elderly and adults, this problem can also occur in children. Cases of brain stroke have also been reported in newborns. Stroke is a life-threatening condition. Strokes are rare in infants, children, and adolescents. However, when children have a stroke, delaying treatment can increase the risk of several serious complications. The causes of stroke in children are usually different from those in adults, such as oxygen deprivation at birth, congenital heart disease, infections like meningitis or chickenpox, blood clotting disorders, or a severe head injury. What are the symptoms of stroke in children? Children may exhibit some different symptoms than adults who have a stroke. Changes in a child's behavior or thinking, problems with hearing or vision, difficulty swallowing, weakness in the muscles on one side of the body (hemiparesis), and difficulty speaking or understanding words are considered signs of a stroke. Many infants and young children may not have the typical symptoms of a stroke. Instead, they may experience seizures, headaches, nausea and vomiting, fatigue, and fever. Risks and Prevention of Stroke: Doctors say that children who suffer a stroke usually recover completely. However, depending on which part of the brain is affected, some children may experience permanent changes in their thinking (cognitive) and speech abilities. They may also have weakness in the affected side or changes in their vision. Children who have had a stroke are also at a higher risk of developing epilepsy. Diagnosing stroke in children can be difficult because the symptoms are not always obvious. All parents should be alert to the signs and symptoms. Sometimes, an ischemic stroke occurs during or immediately after birth, which is called a perinatal stroke. Gestational diabetes or premature birth can also increase the risk of stroke.

Are you experiencing burning and stinging in your eyes due to pollution? Doctors explain essential ways to protect yourself.

Amidst rising pollution in Delhi, many people are complaining of problems like burning and stinging in their eyes. Continuous exposure to polluted air increases problems like dry eye syndrome and allergic conjunctivitis. For the past few weeks, the sky in Delhi-NCR has been shrouded in smog. Everyone is worried about the deteriorating air quality. On Monday (November 3), Delhi's air quality deteriorated significantly, reaching the 'very poor' category. The Air Quality Index (AQI) was recorded at 371 around 7 am. Health experts consider this type of polluted air to be harmful to health in many ways. It is noteworthy that Delhi's air becomes polluted every year at the beginning of the winter season. Dust, vehicle and stubble burning smoke, and chemicals from industrial waste create smog, which makes even breathing difficult. Air pollution is usually considered a cause of lung-related problems, but its ill effects are not limited to this. Air pollution can increase problems for many organs, including the heart, brain, and lungs. Amidst the rising pollution in Delhi, many people are complaining of problems like burning and stinging in their eyes. According to ophthalmologists, when the fine particulate matter PM2.5 present in polluted air reaches the eyes, it increases problems such as inflammation, burning, itching, and redness in the cornea. Continuous exposure to a polluted environment increases problems like dry eye syndrome and allergic conjunctivitis. This problem is even more common in children and the elderly because their eyes are more sensitive. If you are also experiencing these problems, let's find out how you can protect yourself? Protect your eyes from pollution: Doctors say that eye problems caused by pollution should not be taken lightly; its long-term effects can affect your vision. However, with a little caution, you can significantly reduce this problem. To keep your eyes healthy and minimize irritation during the pollution season, wash your eyes with cold or clean water 2-3 times a day. This cleanses the eyes of accumulated pollutant particles and provides a refreshing feeling. If you have returned home from outside, immediately splash cold water on your eyes. This will relieve both irritation and redness. If your eyes are burning or stinging due to pollution, do not rub them repeatedly, as this increases the risk of infection. You can use artificial tears or eye drops as advised by a doctor to keep your eyes moist and prevent dryness. Protecting your eyes when going outside is essential. During polluted days, protecting your eyes when going outside is very important. Dust, smoke, and micro-particles present in the air directly enter the eyes and cause damage. Always wear sunglasses when going out. They not only protect from the sun but also prevent pollutant particles from reaching the eyes. Wearing a mask is also important; it prevents harmful elements in the air from entering the body through breathing. Maintain a healthy indoor environment as well. Pollution reduces the humidity in the air, which increases dryness and irritation in the eyes. To avoid this problem, use a humidifier indoors. It maintains humidity in the air and keeps the eyes adequately moisturized. If you don't have a humidifier, you can use natural alternatives like indoor plants such as aloe vera, spider plant, snake plant, etc. These plants help purify the air and maintain humidity. Reduce screen time - Along with air pollution, if you spend too much time in front of mobile, laptop, or TV screens, eye problems double. Looking at screens for long periods causes the eyes to dry out, increasing irritation and pain. Therefore, follow the 20-20-20 rule: every 20 minutes, look 20 feet away for 20 seconds. This relaxes the eye muscles.

Say Goodbye to Market Lotions, Prepare Your Own Moisturizer with Just Two Ingredients

Instead of using store-bought lotions, you can prepare a moisturizer at home with just two ingredients. Dry skin is common during the winter season, but expensive and chemical-laden lotions often harm the skin. If you also want to keep your skin naturally moisturized, then it's time to say goodbye to market lotions! With the help of just two household ingredients, you can make a natural moisturizer at home that will deeply nourish your skin, keeping it soft and radiant. This method is not only economical but also completely safe. Here, we will tell you how to make a body lotion with the help of two ingredients. The mixture of these two ingredients moisturizes your skin and also protects it from sun damage and dryness. Let's learn the easy way to make and apply it. Ingredients for making homemade moisturizer: 2 tablespoons of aloe vera gel 1 tablespoon of coconut oil Method: To make the body lotion, first take a clean bowl and mix both the ingredients well. Mix it with a spoon until both ingredients are completely combined. After mixing, store it in an airtight container. How to Apply: Now let's learn how to use it. Apply it to your face and hands daily after bathing or before going to bed. You will start seeing the results in a few days. These are its benefits: Deeply moisturizes the skin, reduces sun tan and dryness, gives the skin a natural glow, and does not cause allergies or pimples.

Celina Jaitly, absent from the industry for 14 years, suffered abuse in childhood; why is she in the news now?

Actress Celina Jaitly is currently in the news regarding her petition in the Delhi High Court. Let's find out what the whole matter is. Actress Celina Jaitly, who has been absent from Bollywood for the past 14 years, is currently making headlines. This time, the reason for her being in the spotlight is not a film or her professional life, but her personal life. Since 2024, Celina Jaitly's brother, retired Major Vikrant Kumar Jaitly, has been in custody in the UAE (United Arab Emirates). The actress approached the Delhi High Court regarding this matter. Before we delve into the entire case, let's find out why Celina distanced herself from acting. Where did Celina Jaitly disappear to? - After winning the Miss India title, Celina entered Bollywood with the 2003 film 'Janasheen'. She starred opposite Fardeen Khan in this movie. The film didn't do particularly well at the box office, but its songs were liked by the audience. After this, Celina appeared in several films but failed to leave a lasting impression on people's hearts with her acting. Then she married a foreign businessman and moved away from the world of showbiz. Celina's last film in Bollywood was 'Thank You' in 2011. After that, she also did a cameo in the film 'Will You Marry Me'. Celina Jaitly's career and marriage - In 2001, she appeared in a music video for Jassi B's album 'Oh Kehri'. After that, she also appeared in a Bombay Vikings album, which was well-received. Then, in 2003, she debuted in films with 'Janasheen', directed by Feroz Khan. Celina was last seen in the film 'Thank You' in 2011. In 2011, Celina married businessman Peter Haag. Celina gave birth to twins in 2012. They were named Viraj and Winston. Then, in 2017, she gave birth to twins again. However, only one of the children survived. Celina was deeply saddened after losing her son. The pain of childhood sexual abuse - Celina Jaitley's hit films include 'No Entry', 'Golmaal Returns', 'Heyy Babyy', and 'Apna Sapna Money Money'. It is said that she left the industry after her films stopped being successful. Despite being away from films, Celina is living a luxurious life. According to a report, she owns 1000 pairs of sandals. Celina also created a sensation with her statement regarding the boycott of Pakistani artists after the Uri attack and the surgical strike. Jaitley said that politics should not be mixed with art. The actress also suffered the pain of sexual abuse in her childhood, which she herself revealed. What is the whole matter? - According to media reports, retired Major Vikrant Kumar Jaitley has been in custody in the UAE since 2024. Celina Jaitley has approached the Delhi High Court regarding this matter. Now, the Delhi High Court has issued a notice to the Ministry of External Affairs in the case of Celina Jaitley's brother. The court has directed the appointment of a nodal officer to obtain information about the status of Celina Jaitley's brother, retired Major Vikrant Kumar Jaitley.

The next hearing in this case is scheduled for December 4. The actress's brother has been in custody since September 6 last year - The actress has claimed that her brother, Major (Retired) Vikrant Kumar, was working with the MATITI Group, which is involved in services such as trading, consulting, and risk management. The petition claims that the actress's brother has been kidnapped and held in custody in the United Arab Emirates since September 6 last year. Called the court's order a ray of hope - She wrote a long post on Instagram calling the High Court's order a ray of hope. Following the hearing, Celina Jaitly shared a post on Instagram regarding the Delhi High Court's directive. She wrote, "After 14 months of relentless struggle, I have finally reached the light at the end of the dark tunnel. I have just come out of the Honourable Delhi High Court, where my writ petition concerning my brother was heard."

Parents' Divorce, Two National Awards; Net Worth in Crores; Learn About Actress Tabu's Journey

Bollywood actress Tabu is celebrating her 54th birthday today. On her birthday, let's learn about her films, career, and net worth... Tabu has turned 54 today. But even at 54, she is single. Why is Tabu single? Know interesting facts about Tabu's career and personal life... Tabu's Birthday: Tabu is celebrating her 54th birthday today, November 4th. Tabu's real name is Tabassum Fatima Hashmi. She was born on November 4, 1971, in Hyderabad. She is one of those select actresses in Bollywood who are known for their profound and excellent roles. Tabu's Childhood: Tabu was born into a Muslim family. Her parents, Jamal Hashmi and Rizwana, divorced, so she was raised by her mother and maternal grandparents. Her elder sister Farah Naaz is also an actress, and she is the niece of actress Shabana Azmi. She was connected to the world of films since childhood, but the family faced difficulties after her father left. Nevertheless, Tabu completed her studies from St. Xavier's College in Mumbai and entered the world of acting. Tabu's Career: Tabu debuted in 1985 with Dev Anand's film 'Hum Naujawan', but she gained real recognition with 'Vijaypath' in 1994, in which she worked with Ajay Devgn and won the Best Female Debut Award. Highlights of her career include 'Maachis', where she played a brilliant role in a film based on the Punjab insurgency and won her first National Award. After this, films like 'Virasat', 'Chandni Bar', 'Maqbool', and 'Cheeni Kum' earned her two National Awards and a record five Filmfare Critics Awards. She also shone in commercial hits like 'Hera Pheri', the 'Drishyam' series,

'Golmaal Again', and 'Bhool Bhulaiyaa 2'. She made a name for herself in Hollywood with 'The Namesake' and 'Life of Pi'. She received the Padma Shri in 2011. Tabu's Upcoming Films: Tabu has several upcoming films. These include the horror-comedy film Bhoot Bangla. Besides Tabu, Akshay Kumar will also be seen in this film. This film is directed by Priyadarshan. This horror-comedy film will be released on April 2, 2026. Additionally, Tabu will reportedly appear in the film 'Drishyam 3'. Ajay Devgn will be seen alongside Tabu in this film. This thriller film may be released in 2026. Tabu's Net Worth: According to media reports, Tabu's estimated net worth is Rs 22 crore. She charges Rs 3 crore per film and Rs 1 crore for brand endorsements. Her annual income is Rs 3 crore and monthly income is Rs 36 lakh. She bought her first flat in Mumbai in 1999, which is now her home. She also owns a bungalow and several properties in Hyderabad. In terms of cars, Tabu owns luxury cars like the Mercedes-Benz S-Class, Audi Q7, BMW X5, and Ford Mustang. Why is Tabu still single? According to media reports, Tabu had said that being single is not a bad thing, and that happiness comes from things other than relationships. She jokingly says that Ajay Devgn and her cousin chased away boys when she was younger, so she says, "If I'm single, it's because of Ajay."

Huma Qureshi breaks silence on engagement rumors, reveals what she would actually do for girls if she were a 'Maharani'

Huma Qureshi's popular web series 'Maharani' is all set for its fourth season. Huma spoke in detail about the show's story and her preparation for the character. Actress Huma Qureshi is returning once again with the fourth season of her popular web series 'Maharani'. In this political drama, Huma will reprise her role as Rani Bharti. Meanwhile, in a special interview with Amar Ujala, Huma Qureshi shared her experiences of preparing for the character and shooting. She also revealed what kind of roles she would like to do in the future and what changes she would bring to the country if she were a real queen. Do you remember the first day of shooting? Did you ever think that the journey of 'Maharani' would reach the fourth season? I remember it very well. My first scene was very simple. I was sitting on the ground and cutting vegetables. That day, not only me but the entire team was a little worried. Everyone was thinking about how to portray Rani Bharti so that people could connect with her. Now when I look back, I can't believe that we have reached season four. It's truly like a dream come true for me. What new things will we see in the story or characters this time? This time the story moves forward by about twenty years. The characters have changed and some new faces have joined. You can call it a new birth of Maharani. The show has been made even deeper and more exciting. This season is special for me because Rani Bharti got a chance to live in a new era. I am confident that the audience will consider this to be the best season yet. Which part of Rani Bharti's journey do you see reflected in yourself? The biggest quality of Rani is that she is not afraid to speak the truth. If she feels that she is right, she stands up against anyone. I have learned this from her. Earlier, I was perhaps not so fearless, but while playing Rani, I understood that if you are not wrong, there is no reason to be afraid. The Queen's honesty and habit of standing up for the truth have rubbed off on me. Now I express my thoughts more openly, whether it's about work or life. Was there any scene in this season that was the most challenging or memorable? Many scenes in this

season are close to my heart, but the scene with Kala Nag (Gauri Shankar Pandey) was the most special. It was extremely intense, with very few dialogues. Everything had to be conveyed through emotions and expressions. The depth of Rani and Kala Nag's relationship was in the silence of that scene, and that was its greatest strength. Was it more difficult to grasp the dialect or to maintain it? To be honest, I still feel a little intimidated by Hindi. I studied in an English medium school, so sometimes I get confused with numbers. (laughs) But I'm better now than before. If I get a little more time, I would like to work on it more. I just need the opportunity, and when I get it, I will sit down and learn with complete dedication. Will the story end with ‘Maharani 4’? I can say with full confidence that the story is not over yet. After every season, people think that everything is over now, but in the world of Maharani, something new always comes up. As they say in the movies - the picture is still not over, my friend. How do you feel when you look back at your career? I can never be completely satisfied. Yes, I am happy that I am doing good and interesting work, but there is still a lot to do. I think this is just the beginning. There are many dreams to fulfill and new stories to tell. I still consider myself a student. I am proud that I am one of the top actresses in India, and this makes me, my family, and my team happy. What was that one moment in your career that changed everything?